CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 10 अंक : 343 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, बुधवार 07 जनवरी, 2026 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 मूल्य : 1.50 रुपए पृष्ठ : 8+st

भजनलाल शर्मा और अश्वनी वैष्णव की दोस्ती लाई रंग : जयपुर में बनेगा देश का पहला बड़ा डाटा सेंटर

ए.आई. से 10 लाख युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के बीच बहुत अच्छे राजनीतिक और व्यक्तिगत संबंध है जिसका लाभ प्रदेश के लोगों और प्रदेश के विकास में भी मिल रहा है पिछले 2 साल में प्रदेश में रेल क्षेत्र में ऐतिहासिक विकास कार्य हुए हैं प्रदेश में रेल क्षेत्र में कई बड़े-बड़े निर्णय और फैसले लिए गए जिसकी वजह से पिछले 2 साल में प्रदेश में रेलवे के ढांचागत विकास को जबरदस्त गति मिली है मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और अश्वनी वैष्णव के बीच पिछले 2 साल में अनेक बार मुलाकात हुई है और इन मुलाकातों में इन दोनों ही नेताओं का एक ही मकसद होता है कि राजस्थान को हर क्षेत्र में केंद्र से ज्यादा से ज्यादा सहयोग और सहायता मिले ताकि राजस्थान प्रगति के पद पर तेजी से आगे बढ़ सके इसी क्रम में केंद्रीय रेल मंत्री के रूप में अश्वनी वैष्णव ने राजस्थान को पिछले 2 साल में अनेक सौगात दी है इसी तरह की एक और बड़ी सौगात असली वैष्णव ने मंगलवार को प्रदेश को दी है जिसमें उन्होंने प्रदेश में देश का सबसे बड़ा डाटा सेंटर बहुत जल्दी स्थापित करने की बात कही है जिसमें ए.आई. के माध्यम से प्रदेश के 10 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसके माध्यम से युवाओं को अपना ब्राइट फ्यूचर बनाने का अच्छा मौका मिल सकेगा वैष्णव ने यह घोषणा जयपुर में सीतापुर में आयोजित डीजे फेस्ट ग्लोबल सबमिट 2026 कार्यक्रम में अपने भाषण के दौरान की असमी वैष्णव ने कार्यक्रम में बताया कि डाटा सेंटर के लिए जमीन की तलाश की जा रही है और बहुत जल्दी ही इसका भूमि पूजन भी होने वाला है उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती के सहयोग से 5000 युवाओं को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरती से 10 लाख युवाओं को ए. आई. स्केलिंग देने का राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू किया गया है जिसका लाभ पूरे देश के युवाओं को मिलेगा इस कांफ्रेंस का उद्घाटन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी जितिन प्रसाद भी मौजूदरहे । अश्वनी वैष्णव ने कहा कि स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के ए आई इंडेक्स में भारत को दुनिया के टॉप 3 ए आई देश में शामिल किया गया है अमेरिका और चीन के साथ भारत को ए आई इनोवेशन रिसर्च और डेवलपमेंट का प्रमुख केंद्र माना गया है उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ए आई से जुड़ी पढ़ाई और शोध के लिए दुनिया भारत की तरफदेखेगी देखेगी कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री जतिन प्रसाद ने कहा कि जिस तरह मोबाइल और इंटरनेट हर व्यक्ति तक पहुंचे उसी तर्ज पर ए आई भी आम व्यक्ति आम जीवन का हिस्सा बनेगी उन्होंने कहा कि यह केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि गांव और समाज के अंतिम व्यक्ति तक इसे पहुंचाएंगे जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा हो उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी मिस इनफॉरमेशन को बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार इस पर कड़ी निगरानी से कम कर रही है और डिजिटल लिटरेसी को बढ़ावा दिया जा रहा है कार्यक्रम के दौरान राजस्थान की नई ए आई एम एल पॉलिसी 2026 लांच की गई इसके साथ ही नेशनल AI लिटरेसी प्रोगाम, iStart LMS, राजस्थान AI पोर्टल और VGC-XR पोर्टल की शुरुआत हुई राज्य सरकार ने गूगल आईआईटी दिल्ली और एन एल यू जोधपुर समेत कई संस्थाओं के साथ समझौते पर भी हस्ताक्षर किए ।

ट्रंप की फिर खुली पोल, भारत-पाक सीजफायर का दावा फुस्स; अमेरिका की ही रिपोर्ट में हुआ खुलासा

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एंजेसी)। अमेरिका में सामने आए नए सरकारी दस्तावेजों ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के उस दावे पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसमें वे कहते रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीजफायर करवाने में मध्यस्थता की थी। इन दस्तावेजों में ऐसा कोई संकेत नहीं मिलता कि भारत ने अमेरिका से इस मुद्दे पर कोई मध्यस्थता मांगी हो। अमेरिका के Foreign Agents Registration Act (FARA) के तहत दाखिल किए गए रिकॉर्ड बताते हैं कि भारत सरकार की ओर से ऐसी किसी बातचीत या मांग का जिक्र नहीं है, जिसमें अमेरिका से युद्धविराम या तीसरे पक्ष की भूमिका मांगी गई हो। ये दस्तावेज सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। ये खुलासे ऐसे समय पर आए हैं जब ट्रंप कई बार यह दावा कर चुके हैं कि मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाक तनाव को खत्म कराने में अमेरिका ने अहम भूमिका निभाई थी। भारत सरकार पहले ही इन दावों को खारिज कर चुकी है। FARA के तहत दाखिल यह तीन पन्नों की फाइल अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच की गतिविधियों का ब्योरा देती है। इसमें वॉशिंगटन स्थित लॉबिंग फर्म SHW Partners LLC की भूमिका दर्ज है, जिसके प्रमुख जेसन मिलर हैंजो ट्रंप के पूर्व सलाहकार रह चुके हैं। यह फर्म 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के दो दिन बाद भारतीय दूतावास की ओर से नियुक्त की गई थी। इसका उद्देश्य नियमित कूटनीतिक कामों में मदद करना था, जैसे उच्चस्तरीय यात्राओं की तैयारी, व्यापार वार्ताएं और अमेरिकी एजेंसियों के साथ तालमेल।

एसआई भर्ती मामले में सरकार ने कहा-भर्ती रद्द करना गलतः कहा- एकलपीठ ने नियम दरकिनार किए

जयपुर टाइम्स

जयपुर(एंजेसी) हाईकोर्ट में एसआइ (सब इंस्पेक्टर) भर्ती-2021 मामले में सुनवाई में सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने कहा- एकलपीठ में दायर याचिका मेंटेनेबल ही नहीं थी। एकलपीठ ने इसे दरकिनार करते हुए मैरिट पर सुनवाई करते हुए भर्ती को रद्द करने का फैसला सुनाया। वहीं याचिकाकर्ताओं ने आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा और अन्य आरोपियों के खिलाफ दायर ईडी की चार्जशीट को रिकॉर्ड पर लेने के लिए हाईकोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर किया है। एसआइ भर्ती रद्द करने और आरपीएससी के सदस्यों के खिलाफ की गई एकलपीठ की टिप्पणियों के खिलाफ दायर अपीलों पर हाईकोर्ट की खंडपीठ सुनवाई कर रही है। ऐसे में एकलपीठ के याचिकाकर्ताओं ने खंडपीठ के समक्ष प्रार्थना पत्र दायर करके कहा- ग्रेड सेकेंड टीचर भर्ती-2022 में पेश ईडी की चार्जशीट में पेपरलीक और आरपीएससी सदस्यों की कार्यशैली को लेकर कई खुलासे हुए हैं। इसलिए खंडपीठ ईडी को निर्देश दे कि वे दायर चार्जशीट हाईकोर्ट के समक्ष रखें। हाईकोर्ट की खंडपीठ में सरकार, चयनित अभ्यर्थियों और आरपीएससी के पूर्व सदस्यों की ओर से दायर अपीलों पर मंगलवार को सुनवाई अधूरी रही।

राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र 28 जनवरी से, फरवरी के दूसरे सप्ताह में आ सकता है बजट

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास.) राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा। राज्यपाल की मंजूरी के बाद सोमवार देर शाम विधानसभा सचिवालय ने सत्र बुलाने की अधिसूचना जारी कर दी है। सभी विधायकों को इसकी सूचना भेज दी गई है। बजट सत्र मार्च तक चलने की संभावना है। सत्र की शुरुआत 28 जनवरी को राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। इस दौरान सरकार अपनी प्रमुख उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को प्रस्तुत करेगी। पहले दिन अभिभाषण के बाद दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी जाएगी, जिसके पश्चात सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी जाएगी। इसके बाद कार्य सलाहकार समिति की बैठक होगी, जिसमें सत्र के कामकाज का एजेंडा तय किया जाएगा। राज्यपाल के अभिभाषण पर तीन से चार दिन तक बहस होगी। बहस के बाद सरकार की ओर से जवाब दिया जाएगा। सरकार के जवाब के बाद एक सप्ताह का अवकाश संभव है।

फरवरी के दूसरे सप्ताह में पेश हो सकता है बजट

सरकार फरवरी के दूसरे सप्ताह में बजट पेश कर सकती है, हालांकि इस पर अंतिम निर्णय अभी शेष है। बजट में कई नई योजनाओं और कार्यक्रमों की घोषणा होने की संभावना है। बजट सत्र के दौरान सरकार पंचायतीराज और शहरी निकाय चुनावों में दो बच्चों की बाध्यता हटाने के लिए विधेयक लाने की तैयारी में है। इसके लिए पंचायतीराज कानून और नगरपालिका कानून में संशोधन से जुड़े दो अलग-अलग बिल सदन में पेश किए जाएंगे। इनके ड्राफ्ट तैयार हो चुके हैं। इसके अलावा आधा दर्जन अन्य विधेयक भी बजट सत्र में लाए जा सकते हैं।

हंगामेदार रहने के आसार, विपक्ष के तेवर सख्त

विधानसभा का बजट सत्र हंगामेदार रहने की संभावना है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल सरकार को हर मोर्चे पर घेरने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि यह सत्र सरकार के दो वर्षों के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड साबित होगा। टीकाराम जूली ने आरोप लगाया कि सरकार पहले बजट में बड़ी घोषणाएं करती है और बाद में फिजिबिलिटी का हवाला देकर उन्हें रद्द कर देती है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार हो रहा है कि घोषणाओं के बाद उनकी व्यवहारिकता जांची जा रही है, जबकि यह काम पहले होना चाहिए। उन्होंने सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि एफआरबीएम की सीमा को पार किया जा रहा है और जनता की गाढ़ी कमाई का बड़ा हिस्सा सिर्फ ब्याज भुगतान में खर्च हो रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच ज्यादा कर्ज लेने की होड़ लगी हुई है।

कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने भाजपा कार्यालय में पार्टी जनों की सुनी समस्याएं

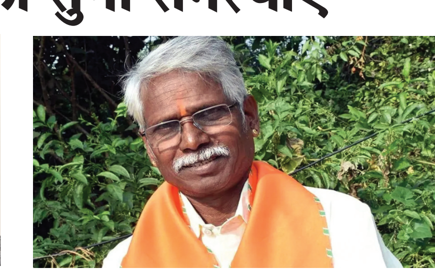

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने मंगलवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुना और उनके निदान के लिए सरकारी स्तर पर प्रयास किया इस कार्यकर्ता सुनवाई कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए भारतीय जनता पार्टी के संगठन से जुड़े नेताओं ने अपनी समस्याएं सरकार के इन दोनों मंत्रियों के समक्ष प्रस्तुत की दोनों ही मंत्रियों ने पार्टी जनों की समस्याओं को बड़ी ध्यान से और गंभीरता से सुना और फिर उनके निदान के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए मंत्रियों ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से बाकायदा फोन पर बातचीत करके पार्टिशनों की समस्याओं के बारे में जानकारी दी इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के संगठन से जुड़े लोगों ने राजस्व विभाग पानी बिजली सड़क चिकित्सा पेंशन कृषि उद्योग रोजगार संबंधी अपनी समस्याओं के बारे में मंत्रियों को बताया कुछ पार्टी केकार्यकर्ता ट्रांसफर संबंधी समस्या लेकर भी पार्टी कार्यालय में पहुंचे थे जिनके समाधान के लिए मंत्रियों ने अपनी ओर से असमर्थता प्रकट की क्योंकि इस कार्यक्रम में पहले से ही कहा गया है कि स्थानांतरण संबंधी कोई भी कार्य इस कार्यक्रम से दूर रखा गया है सोमवार की तुलना में मंगलवार को शिकायत लेकर पहुंचने वाले पार्टी जनों की संख्या ज्यादा थी क्योंकि उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह जयपुर की झोटवाड़ा विधानसभा सीट से विधायक हैं इसलिए झोटवाड़ा विधानसभा सीट से बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता यहां अपनी शिकायत लेकर आए थे हालांकि राठौर अपने निजी और सरकारी आवास पर नियमित रूप से पार्टी के कार्यकर्ताओं से और अपने क्षेत्र के लोगों से मिलते रहते हैं लेकिन जब पार्टी के कार्यकर्ताओं को यह पता चला कि मंगलवार को राठौर प्रदेश भाजपा कार्यालय में बैठकर शिकायत सुनेंगे तो इसके बाद झोटवाड़ा क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग मंगलवार को भाजपा कार्यालय पहुंचे पत्रकारों से बातचीत के दौरान कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि पिछले 2 साल में प्रदेश के भजनलाल सरकार ने हर क्षेत्र में ऐतिहासिक विकास कार्य किए हैं आदिवासी समाज दलित मजदूर किसान युवा महिला के हितों की रक्षा और कल्याण के लिए सरकार ने कई बड़े फैसले और कई बड़े निर्णय लिए हैं उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित किया जा रहा यह कार्यक्रम सत्ता और संगठन के बीच बेहतर तालमेल और सामंजस्य बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार पार्टी के संगठन से जुड़े सभी छोटे-बड़े नेताओं को यह मैसेज देने का प्रयास कर रही है कि सरकार में उनका सम्मान है और सरकार उनकी हर समस्या का समाधान करने को लेकर गंभीरहै

मोदी के नेतृत्व में भारत हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा आगे, एआई आज की जरूरतः भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एआईआईएमएल पॉलिसी का विमोचन किया केंद्रीय मंत्री जितेंद्र प्रसाद और कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी रहे मौजूद

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जोर देकर कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समय की जरूरत है और यह विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उद्योग शासन और आमजन में बड़ा बदलाव आएगा और इससे रोजगार के शानदार अवसर पैदा होंगे जिसकी वजह से युवाओं को अपना बेहतर भविष्य बनाने में काफी मदद मिलेगी उन्होंने कहा कि राजस्थान सूचना और प्रौद्योगिकी क्षेत्र डिजिटल क्रांति में तेजी से आगे बढ़ रहा है इसमें अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की एक और कड़ी जुड़ रही है जो प्रदेश के विकास को नई दिशा और गति देगी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को सीतापुर में जयपुर एग्जिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित डीजे फर्स्ट ग्लोबल सबमिट 2026 के कार्यक्रम में बोल रहे थे इस मौके पर मुख्यमंत्री शर्मा और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एआईएमएल पॉलिसी का विमोचन भी किया कार्यक्रम में अपने भाषण में भजनलाल शर्मा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज की आवश्यकता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में भी आने वाले समय में भारत की निगाह पूरी दुनिया पर रहेगी घ

भजनलाल शर्मा ने स्वामी विवेकानंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के युवाओं से जुड़े विजन को अपने भाषण में रखा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने भाषण में स्वामी विवेकानंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के युवाओं से जुड़े विजन को प्रकट करते हुए कहा कि 1893 में एक नरेंद्र यानी स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि 21वीं शताब्दी भारत के युवाओं की होगी और आज एक और नरेंद्र जो 1893 के नरेंद्र के विजन को साकार करते हुए दिख रहे हैं उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के युवाओं को रोजगार लेने वाला नहीं बनना चाहते बल्कि देश के युवाओं को रोजगार देने वाला बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वामी विवेकानंद के उस सपने को साकार करने की दिशा में काम कर रहे हैं जिसमें उन्होंने 1893में कहा था कि 21वीं शताब्दी भारत के युवाओं की होगी उन्होंने कहा कि आज भारत का युवा पूरी दुनिया में हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा की छाप छोड़ रहा है और अब जिस तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में तेजी से कार्य कर रहा है तो निश्चित रूप से इस क्षेत्र में भी भारत सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपभोग नहीं करेगा बल्कि इसका निर्यात करेगा और आने वाले समय में भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में पूरी दुनिया में अव्वल रहेगा

प्रदेश मेंग्राम पंचायत स्तर तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग सुनिश्चित करेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के गांव के विकास को नई दिशा और गति दे रही है इसके लिए सरकार ने ग्राम पंचायत को आधुनिक ढांचे में बदल रही है ग्राम पंचायत को हाईटेक और डिजिटल क्रांति के माध्यम से जोड़ा जा रहा है ग्राम पंचायत में अटल सेवा केंद्र की तेजी से स्थापना की जा रही है और राजस्थान सरकार प्रदेश के सभी सरकारी विभागों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करने के साथ-साथ ग्राम पंचायत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपभोग सुनिश्चित करेगी ताकि ग्राम पंचायत स्तर पर होने वाले सभी तरह के विकास कार्य ठीक तरह से पारदर्शक ढंग से संपादित हो सके इसलिए विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से ग्राम पंचायत को जो सहायता और बजट मिलता है उसका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से ठीक तरह से समुचित उपयोग हो सकेगा इसलिए सरकार आने वाले समय में प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का व्यापक तौर पर उपयोग करेगी इसीलिए उन्होंने इस बाबत विशेष पॉलिसी का विमोचन किया है मुख्यमंत्री शर्मा ने इस बात पर भी खुशी जाहिर की की जयपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर हुई इस महत्वपूर्ण समिट में जिस तरह से देश और दुनिया से आए विशेषज्ञ लोगों और विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार शेयर किया उससे राजस्थान को भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सेक्टर में आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से प्रदेश में रोजगार के जोरदार अवसर पैदा होंगे और सामाजिक सुरक्षा, राष्ट्रीय शक्ति और आमजन के जीवन को खुशहाल बनाएगा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से प्रदेश में रोजगार के शानदार अवसर पैदा होंगे जिसकी वजह से प्रदेश के युवाओं को व्यापक स्तर पर रोजगार मिलेगा युवाओं का भविष्य को नई दिशा और गति मिलेगी उन्होंने कहा कि एक तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सामाजिक सुरक्षा और राष्ट्रीय शक्ति मजबूत होगी तो दूसरी तरफ आमजन का जीवन भी काफी सरल और खुशहाल होगा उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से एक तरफ जहां पुलिस की कार्यशैली में नयापन और गतिशीलता आएगी तो दूसरी तरफ प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में इसके प्रचलन से पारदर्शक ढंग से कार्य संपादित करने में काफी सहायता मिलेगी उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उद्योगों की कार्यशैली में भी नयापन और बदलाव आएगा जो प्रदेश और भारत को विकसित राज्य बनाने की दिशा में अपने महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

CMYK

नगर निगम द्वारा विशेष अभियान के तहत कचरा फैलाने पर की गई एक लाख रूपये से अधिक की वसूली

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन नगर निगम द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शहर में चलाये गए विशेष अभियान के तहत सोमवार व मंगलवार को व्यवसायिक प्रतिष्ठानों, ठेली-खौमचे वालों द्वारा कचरा फैलाने पर यूजर चार्ज के रूप में 1 लाख 4 हजार 300 रूपये की वसूली की गई। उन्होंने समस्त व्यवसायिक प्रतिष्ठानों, ठेली-खोमचों वालों से अपील की है कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर सूखा व गीला कचरे का अलग-अलग कचरा पात्र रखे एवं निगम के ऑटो टिपर में ही कचरा डाले तथा कचरा नहीं फैलावे। निगम द्वारा यह अभियान निरन्तर जारी रहेगा।

आरबीएस के कार्यक्रम लाया रूद्र के चेहरे पर मुस्कान

बच्चे के हृदय का नि:शुल्क ऑपरेशन होने पर माता-पिता को मिला राहत का सुकून

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राज्य सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आर्थिक रूप से कमजोर माता-पिता के गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों का नि:शुल्क उपचार कराकर उनके जीवन में खुशियों की सौगात लाने का काम कर रहा है। मालाखेडा ब्लॉक निवासी रूद्र पुत्र बिजेन्द्र साहू जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित था। जिसके कारण अन्य सामान्य बच्चों की तरफ खेलने-कूदने में असमर्थ था एवं कोई भी काम करने पर सांस फूल जाती थी। बच्चे माता-पिता ने चिकित्सक को दिखाया, जिस पर चिकित्सक ने इन्हें ऑपरेशन करने की सलाह दी। माता-पिता की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे अपने बच्चे का इलाज नहीं करा पा रहे थे। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम ने आंगनबाडी में जाकर रूद्र का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इसके बाद बच्चे का रैफर कार्ड बनाकर जिला अस्पताल में रैफर किया। जहां से रूद्र को सत्य साई चिकित्सालय राजकोट रैफल किया गया। इसके उपरान्त सभी आवश्यक जांच करने के बाद बच्चे के हृदय का 21 जुलाई 2025 नि:शुल्क सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन उपरान्त अब बच्चा सामान्य बच्चों की तरह खेलने में सक्षम है। बच्चे के हृदय का नि:शुल्क सफल ऑपरेशन होने पर माता-पिता ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय सडक सुरक्षा अभियान के छठे दिन सडक सुरक्षा विषय पर प्रतियोगिता आयोजित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राष्ट्रीय सडक सुरक्षा अभियान के तहत जिले में 31 जनवरी तक संचालित राष्ट्रीय सडक सुरक्षा अभियान के छठे दिन परिवहन निरीक्षक अमित भारद्वाज एवं पुलिस विभाग से उप निरीक्षक राजेश कुमार के संयुक्त तत्वावधान में नवीन पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल मालाखेडा में विद्यार्थियों एवं स्कूल स्टाफ को यातायात नियमों की जानकारी देकर सडक सुरक्षा के संबंध में शपथ दिलाई गई। जिला परिवहन अधिकारी सविता भारद्वाज ने बताया कि इस दौरान सडक सुरक्षा से संबंधित विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले विजेता विद्यार्थियों को माह के अंत में पारितोषित प्रदान कर प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सडक जनजागरूकता बढाने हेतु यातायात नियमों की जानकारी वाली पुस्तिका/पम्पलेट वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि सडक सुरक्षा अभियान के तहत विभागीय समन्वय से सडक सुरक्षा के क्षेत्र में समझाइश, प्रवर्तन कार्रवाई, जनजागरूकता, यातायात नियमों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

10 व 11 जनवरी को जैन नसिया जी वाटिका में आयोजित होगा नि:शुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक लक्ष्मण सिंह ने बताया कि अशोका फाउण्डेशन की ओर से 10 व 11 जनवरी को जैन नसिया जी वाटिका गायत्री मंदिर रोड बस स्टेण्ड के पास में नि:शुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित होगा। इस दौरान पात्र दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार जयपुर फुट, श्रवण यंत्र, ट्राई साइकिल, व्हील चेयर, कैलीपर, बैसाखी, विजुअल स्टिक आदि का नि:शुल्क वितरण किया जाएगा।

शीतलहरः कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए 10 तक अवकाश घोषित

झुंझुनूं(निस)। जिले में शीतलहर व अत्यधिक ठंड के प्रकोप को देखते हुए विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से जिले में संचालित समस्त राजकीय व गैर-राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए 7 जनवरी से 10 जनवरी 2026 तक अवकाश घोषित किया है। जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किये है। यह अवकाश केवल छात्र-छात्राओं के लिए लागू रहेगा।

गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी) के आयोजन के सम्बन्ध में बैठक आयोजित

गणतंत्र दिवस समारोह आमजन की सहभागिता से समारोहपूर्वक मनाने हेतु संबंधित अधिकारी समयबद्ध तैयारियां सुनिश्चित करें - एडीएम शहर

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर बीना महावर ने मिनी सचिवालय के सभागार में स्थानीय इन्दिरा गाँधी स्टेडियम में आगामी गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी) के आयोजन के सम्बन्ध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर महावर ने अधिकारियों से कहा कि राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस समारोह आमजन की भागीदारी के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिये कि आयोजन के सम्बन्ध में उन्हे सौपें गए दायित्वों को निश्चित समयावधि में पूर्ण करना सुनिश्चित करे। उन्होंने समारोह में विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा निकाली जाने वाली झांकियों को नवाचार कर आकर्षक बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में राजकीय विद्यालयों के साथ निजी विद्यालय और संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि नगर विकास न्यास एवं नगर परिषद के द्वारा गणतंत्र दिवस पर बाला किला, राजकीय भवनों एवं शहर के प्रमुख-प्रमुख चौराहों पर रोशनी व सजावट की व्यवस्था कराई जाऐगी। उन्होंने निर्देश दिए कि साफ-सफाई, पेयजल एवं पार्किंग की व्यवस्था नगर परिषद व नगर विकास न्यास एवं बैरिकेटिंग व्यवस्था सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा की जाये। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं सामूहिक व्यायाम प्रदर्शन के लिए मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं खेलकूद के लिए जिला खेल अधिकारी नोडल अधिकारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह में पुरस्कृत किए जाने वाले व्यक्तियों के प्रस्ताव अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय के कार्यालय में 21 जनवरी तक आवश्यक रूप से भिजवाया जाना सुनिश्चित करे। उन्होंने जिला सैनिक कल्याण अधिकारियों को निर्देशित किया कि गणतंत्र दिवस समारोह में विरांगनाओं को सम्मानित कराने की व्यवस्था करे। समारोह में आर्म डिस्प्ले कराने हेतु सेना से समन्वय करे। कार्यक्रम के उपरान्त दोपहर में इन्दिरा गांधी स्टेडियम में मैत्री मैच का आयोजन होगा। बैठक में एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, उपखण्ड अधिकारी अलवर माधव भारद्वाज, यूआईटी के भूमि अवाप्ति अधिकारी जितेन्द्र सिंह नरूका, सीडीईओ महेश गुप्ता, सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी.सी मीणा, जिला खेल अधिकारी अंजना शर्मा, नगर निगम के अधिशासी अभियन्ता खेमराज मीणा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सिटी पैलेस में 'अलवर टाइगर मैराथन' उद्घोष कार्यक्रम होगा आयोजित आज

अलवर टाइगर मैराथन में हिस्सा लेने के लिए करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा की गरिमामय उपस्थिति में 7 जनवरी को सांय 4 बजे से सिटी पैलेस में 8 फरवरी 2026 को होने जा रही 'अलवर टाइगर मैराथन' का उद्घोष कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में अलवर टाइगर मैराथन के ब्रांड एंबेसडर रणदीप हुड्डा शिरकत कर बाघ एवं वन संरक्षण के संदेश को व्यापक जनसमुदाय तक पहुंचाएंगे। इस दौरान राजस्थान पर्यटन विभाग एवं अलवर टाइगर मैराथन के आयोजक वी-शक्ति ट्रस्ट के मध्य एमओयू होगा।

एसोसिएशन फॉर इंटरनेशनल मैराथन सर्विसेज के तकनीकी निदेशक ने मैराथन की तैयारियों का जायजा लिया

एसोसिएशन फॉर इंटरनेशनल मैराथन सर्विसेज के तकनीकी निदेशक एवं मोरक्को निवासी रशीद बेन मेजियान एवं दुबई से अंतरराष्ट्रीय एलीट समन्वयक विजय शुक्ला ने सिटी पैलेस में 8 फरवरी को होने जा रही है । अंतरराष्ट्रीय टाइगर मैराथन की तैयारियों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अलवर टाइगर मैराथन के संयोजक अरूण जैन, सह संयोजक गगनदीप सिंह मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि अलवर में 8 फरवरी को होने जा रही अंतरराष्ट्रीय टाइगर मैराथन अलवर जिले के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यहां केन्या, यूगांडा, तंजानिया आदि देशों के अंतरराष्ट्रीय एथलीट भाग लेंगे। इससे अलवर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। उन्होंने मैराथन के रूट, डायवर्जन आदि जायजा लिया।

अलवर टाइगर मैराथन में हिस्सा लेने के लिए करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

अलवर टाइगर मैराथन 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन जारी है। इच्छुक व्यक्ति https// share. google/ s&f~Epwehp43VrKKW लिंक का उपयोग करके तथा मोबाइल नम्बर 9667684422 अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

नारी सशक्तिकरण की दिशा में नेक कमाई की मजबूत पहल

'जीजी की थड़ी' बनी महिला आत्मनिर्भरता की पहचान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। नारी सशक्तिकरण को ज़मीनी स्तर पर साकार करते हुए नेक कमाई फाउंडेशन ने एक और सराहनीय और प्रेरणादायी पहल की है। शहर के शांति कुंज मोड़ पर स्थित 'जीजी की थड़ी' पर महिला सरोज प्रजापत को नया और सुदृढ़ काउंटर उपलब्ध करवाया गया, जिससे वे सम्मानपूर्वक अपने रोजगार को आगे बढ़ा सकें। इस काउंटर का निर्माण नेक कमाई फाउंडेशन के मुख्य कोऑर्डिनेटर अभिषेक तनेजा के सहयोग से करवाया गया और इसे महिला को विधिवत रूप से सौंपा गया। सरोज प्रजापत प्रतिदिन सुबह 5 बजे से देर रात तक मेहनत कर थड़ी का संचालन करती हैं और इसी से अपने परिवार की आजीविका चला रही हैं। फाउंडेशन के संरक्षक दौलत राम हजरती ने बताया कि समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान किए जाएं। यह पहल केवल एक काउंटर देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिला के सम्मान, आत्मविश्वास और स्वावलंबन का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने बताया कि भविष्य में यहां और भी सुविधाएं विकसित की जाएंगी तथा ऐसी अन्य जरूरतमंद महिलाओं को चिन्हित कर संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे। नेक कमाई फाउंडेशन निरंतर प्रयासरत है कि मेहनतकश और संघर्षशील महिलाओं को छोटे-छोटे साधनों के माध्यम से बड़ा सहारा दिया जा सके, ताकि वे अपने पैरों पर खड़ी होकर आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ सकें। वर्तमान में फाउंडेशन द्वारा 'नारी सृजन' अभियान के तहत इस प्रकार के कार्यक्रम लगातार संचालित किए जा रहे हैं।

अखण्ड ज्योति दिव्य कलश यात्रा का किया भव्य स्वागत

जयपुर टाइम्स

बड़ागांव/ झुंझनू। अखण्ड ज्योति दिव्य कलश यात्रा सेठ शिवदत राय विधालय में स्वागत किया शान्ति कुंज हरिद्वार के सौजन्य से राष्ट्रीय जागरण अखण्ड ज्योति दिव्य कलश यात्रा का बड़ा गाँव पहुंचने पर सेठ शिवदतराय विद्यालय परिसर में स्वागत किया गया। निदेशक महिपाल सिंह महला व प्रिंसीपल अंशुसिंह ने दिव्य कलश यात्रा के साथ आए गायत्री परिवार के गिरधारी लाल शर्मा, गायत्री देवी, मुरारीलाल सोनी, सवाई सिंह, बजरंग लाल, दयानन्द कुमावत, रामनिवास सिंह, जगदीश प्रसाद, सुनिल कुमार का स्वागत किया। विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थियों ने अखण्ड ज्योति के दर्शन किया तथा राष्ट्र निर्माण में अपने भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन सतवीर झाझड़ि?या व वाइस प्रिंसीपल गोविन्द राम ने किया।

राजपूत सभा जिला अलवर की नई कार्यकारिणी का गठन

गोपाल सिंह नरूका के नेतृत्व में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों की घोषणा

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजपूत सभा जिला अलवर के जिलाध्यक्ष गोपाल सिंह नरूका (पीपलखेड़ा) द्वारा सर्वसम्मति से जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में समाज के वरिष्ठ, अनुभवी एवं सक्रिय सदस्यों को विभिन्न दायित्व सौंपे गए हैं, जिससे संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। संरक्षक के रूप में विंग कमांडर मंगल सिंह नरूका (अलवर), नरेन्द्र सिंह राठौर (हमीरपुर), पृथ्वी सिंह नरूका (थाना), सूरज भान सिंह गौड (झारैड़ा), भूपेश सिंह राजावत (नरहेट), विजेन्द्र सिंह चौहान (कारौली), नेपाल सिंह नरूका (खुडिना), पृथ्वी सिंह चौहान (ततारपुर), मानसिंह नरूका (कसौदा) एवं दशरथ सिंह शेखावत (जोधपुरा) को मनोनीत किया गया। महामंत्री पद का दायित्व मनोज सिंह शेखावत (खुदरोड) को सौंपा गया। उपाध्यक्ष के रूप में विजेन्द्र सिंह नरूका (बबेली), कानसिंह नरूका (बाबडिका), शिवओम सिंह तंवर (अलवर), बहादुर सिंह चौहान (सिंगलका), इन्दर सिंह तंवर (माचरौली), भोमसिंह शेखावत (पुर) एवं सुरेन्द्र सिंह नरूका (धंवाला) को नियुक्त किया गया। कोषाध्यक्ष पद पर दीपसिंह नरूका (तोलाबास) को जिम्मेदारी दी गई। संयुक्त मंत्री के रूप में भूपेन्द्र सिंह चौहान (पेहल), तरुण सिंह गौड (गूगलकोटा) एवं राहुल सिंह नरूका (बालेटा) का चयन किया गया। संगठन मंत्री पद पर सोनू सिंह (भिंटोली) तथा तेजेश्वर सिंह नरूका (खुडिना) को मनोनीत किया गया। विधि सलाहकार के रूप में नरपत सिंह नरूका एडवोकेट (लक्ष्मणगढ़) को नियुक्त किया गया। प्रचार मंत्री के दायित्व अवधेश सिंह नरूका (जमालपुर) एवं विक्रम सिंह चौहान (टिटपुरी) को सौंपे गए। इसके अतिरिक्त सदस्य के रूप में मानवेन्द्र सिंह नरूका (जावली), राजेन्द्र सिंह नरूका (जमालपुर) एवं पवन सिंह निर्वाण (बेरला) को शामिल किया गया।

वीबी-जी राम जी ग्रामीण भारत के सपनों की नई उड़ान- मदन राठौड़

कांग्रेस सांसदों ने अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए सांसद निधि का किया बेजा इस्तेमाल : मदन राठौड़

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष द्वारा 'विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन वीबी–जी रामजी के नाम को लेकर किए जा रहे विरोध पर कड़ी प्रतिकिया दी। राठौड़ ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस को राम नाम से ही आपत्ति है भाजपा ने रोजगार और आजीविका मिशन में विकसित भारत जोड़ते हुए नया कानून बनाया तो इसमें विपक्ष को ऐतराज नहीं होना चाहिए। योजनाओं के नाम तो कांग्रेसियों ने स्वयं ने बदला और अपने एक ही परिवार के लोगों को खुश करने के लिए उनके नाम से योजनाएं शुरू कर दी। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम योजना का नाम राजीव गांधी ने जवाहर रोजगार योजना किया फिर मनमोहन सरकार ने नरेगा और मनरेगा किया। इतना ही नहीं, कांग्रेस ने आवास योजना का नाम ग्रामीण आवास योजना से बदल कर इंदिरा आवास योजना कर दिया, ग्रामीण विद्युतीकरण योजना का नाम राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना कर दिया, इन्होंने हर योजना में गांधी–नेहरू परिवार का नाम जोड़ने का काम किया । करीबन 600 योजनाओं के नाम इन कांग्रेसियों ने बदले, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी भी योजना का नाम अपने या किसी के नाम पर जोड़ने की बजाए सेवा सनातन से जोड़ने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजभवन को लोकभवन राजपथ को कर्तव्य पथ, रेसकोर्स रोड को लोक कल्याण मार्ग और प्रधानमंत्री कार्यालय को सेवा तीर्थ नाम करने का काम किया है। मोदी ने भारतीय दंड संहिता को भारतीय न्याय संहिता आपराधिक प्रक्रिया संहिता को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता करने का काम किया है। राठौड़ ने प्रदेश के कांग्रेस सांसदों द्वारा सांसद निधि द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सूरजेवाला के पुत्र के निर्वाचन क्षेत्र में स्वीकृत करने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस के सांसदों ने अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए सांसद निधि का बेजा इस्तेमाल किया। यह उनकी क्षेत्र की जनता के साथ धोखाधडी है। उन्होंने कहा कि सांसद निधि जनता को राहत देने के लिए है ना कि आकाओं को खुश करने और उनके कृपा पात्र बने रहने के लिए। राठौड़ ने कहा कि वीबी–जी रामजी के माध्यम से 125 दिन की रोजगार गारंटी मिलेगी वहीं पहले 100 दिन की मिलती थी। पहले कार्य या तो कागजों में होते थे, या बिना जरूरत के किए जाते थे अब ग्राम सभा गांव के विकास के लिए काम को तय करेगी और उसके आधार पर जल संरक्षण संबंधित कार्य बुनियादी ढ़ांचा विकसित करने आजीविका सरंचना निर्माण और आपदा से लड़ने की तेयारियों के काम किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कानून के माध्यम से ना केवल साल में 125 दिन अधिक काम मिलेगा भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा पैसा सीधा लाभार्थी के खाते में जाएगा। राजीव गांधी ने स्वयं स्वीकार किया था कि एक रूपए केंद्र से चलता है 15 पैसा लोगों तक पहुंचता है, ऐसे में इस कानून का विरोध वो लोग कर रहे है जो जनता के हक का 85 पैसा खा जाते थे, ऐसे लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार में तत्कालीन ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री रमेशचंद्र मीणा ने खुद स्वीकार किया था कि बाड़मेर और नागौर जिले में मनरेगा में 300 करोड़ का घोटाला हुआ था। मीणा ने स्वीकार किया था कि फर्जी तरीके से भुगतान किए गए। उन्होंने कहा कि मनरेगा में डुप्लीकेट और फर्जी जॉब कार्ड, फर्जी मस्टरोल भरकर भुगतान उठाने और श्रमिकों को भुगतान नहीं करने के अनगणित मामले है। लगभग 11 लाख से शिकायते दर्ज की गई है। मनरेगा भ्रष्टाचार पर टिप्पणी करते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने सरपंचों को बोलेरो सरपंच कहा था आज वे सब बातें भूल गए है क्योंकि कांग्रेस रामजी के नाम को पचा नहीं पा रही है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस जिस मनरेगा को अपनी बड़ी उपलब्धि बता रही है, उस मनरेगा में अब तक 11.74 लाख करोड़ रुपए खर्च ?हुए है, जिसमें सर्वाधिक मोदी सरकार ने 11 साल में 8.53 लाख करोड़ रुपए खर्च किए। नए कानून से ग्राम पंचायत की ग्राम सभा में तय किए गए काम के आधार पर 125 दिन रोजगार की गारंटी मिलेगी काम नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ता मिलेगा। सामाजिक ऑडिट अनिवार्य होगी इसके साथ ही फर्जीवाड़ा रोकने के लिए बायोमैट्रिक उपस्थिति जीयो टैगिंग और एआई तकनीक के उपयोग सहित अनेक कदम उठाए गए है। बुवाई और कटाई के समय में किसानों को पर्याप्त मजदूरी मिले, इसके लिए 60 दिन तक राज्य सरकारें काम को रोक सकेगी। श्रमिकों का भूगतान 15 दिनों में अनिवार्य रूप से करने और भूगतान नहीं करने की दिशा में मुआवजा करने देने का प्रावधान किया गया है। इस नए कानून से ना केवल जरूरत मंद को रोजगार मिलेगा बल्कि विकसित भारत के लिए विकसित ग्राम पंचायत बनाने के अभियान को गति भी मिलेगी।

भाजपा के हरफनमौला नेता माने जाते हैं पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी

शुरुआती कठिन संघर्ष और उतार चढ़ाव के पॉलिटिकल जीवन ने चौधरी को ऐसा मजबूत और जमीन से जुड़ा नेता बना दिया जिसे पीएम मोदी भी करते हैं पसंद, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री के रूप में राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश के किसानों में खुद को साबित किया, प्रदेश भाजपा ने चौधरी को दोबारा से किसान मोर्चा का बनाया अध्यक्ष

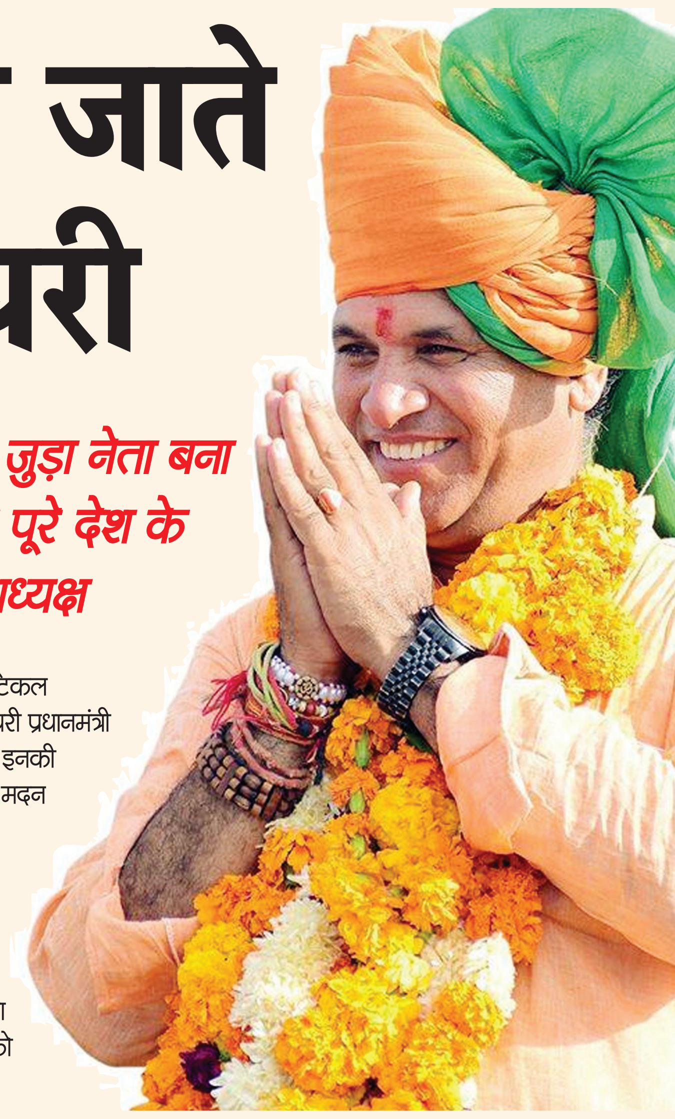

जयपुर टाइम्स/जयपुर(रामेश्वर लाल जाट)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और राजस्थान भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष कैलाश चौधरी की गिनती भाजपा में उन नेताओं में होती है जिन्होंने बिना किसी अपने पॉलीटिकल बैकग्राउंड के शुरुआती कठिन संघर्ष राजनीति के उतार चढ़ाव के जीवन सफर में भी खुद को न केवल पार्टी में बल्कि लोगों के बीच में एक जमीन से जुड़े नेता के रूप में स्थापित किया। इसलिए चौधरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के चाणक्य माने जाने वाले अमित शाह की निगाहों में निगाहों में अब भी छाए हुए हैं। भले ही पिछले लोकसभा चुनाव में इन्हें पराजय का सामना करना पड़ा हो लेकिन भाजपा में इनकी पोजीशन और लोकप्रियता पहले की तरह ही है इसीलिए चौधरी की किसान और खेती के बारे में बारीकी से अच्छी समझ रखने की वजह से भाजपा हाई कमान के अनुशंसा पर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने हाल ही में इन्हें फिर से भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। इससे पहले चौधरी प्रदेश में वर्ष 2013 से 2018 के बीच जब वसुंधरा राजे की सरकार थी उस समय इन्हें राजस्थान में भाजपा के किसान मोर्चा की जिम्मेदारी दी गई थी और फिर से इन्हें किसान मोर्चा का मुखिया बनाया है वजह यही है चौधरी का बचपन और जवानी दोनों ग्रामीण जनता और किसानों के बीच बीती है इसलिए किसान और खेती की जो समझ इन्हें है तथा केंद्र में कृषि राज्य मंत्री रहने के दौरान अपने कार्यों फैसलों और निर्णय से इन्होंने राजस्थान और देश भर के विभिन्न किसान संगठनों और आम किसान के बीच अपनी जो मजबूत पकड़ बनाई । उसका पार्टी को बेनिफिट मिले इसीलिए चौधरी को दोबारा से किसान मोर्चा की जिम्मेदारी दी गई इस निर्णय से कुछ लोगों को यह लगता है कि चौधरी पार्टी में थोड़ा बैक फुट पर हुए हैं लेकिन इसका दूसरा अर्थ यह भी निकाला जा सकता है कि लॉन्ग जंप करने के लिए थोड़ा पीछे भी होना पड़ता है इसलिए चौधरी के किसान मोर्चा के अध्यक्ष पद पर हुई नियुक्ति वास्तव में उनके पॉलीटिकल करियर को एक बार फिर से नहीं रफ्तार और नई दिशा देगी क्योंकि किसान देश की आत्मा और अन्नदाता माना जाता है तथा गांव में निवास करता है तो जाहिर तौर पर कहा जा सकता है कि चौधरी अब अपनी पुरानी पहचान पुराने अनुभव और किसानों के बीच अपनी पुरानी जोरदार पकड़ की वजह से राजस्थान के किसानों को प्रदेश भाजपा से जोड़े रखने में सफल ही नहीं होंगे बल्कि किसान मोर्चा के अध्यक्ष पद पर इनका यह कार्यकाल बेमिसाल साबित हो सकता है

छोटे से गांव से निकलकर दिल्ली तक की चौधरी की इस यात्रा में उनके कठिन संघर्ष की छुपी हुई है दर्द की दास्तान

कैलाश चौधरी का जन्म 1973 में बाड़मेर के बायतु में एक साधारण से किसान तगाराम चौधरी के घर में हुआ इसलिए बचपन से ही खेती के कार्य में जुट गए स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई के दौरान भी खेती करते रहे इसलिए किसान और बाड़मेर जैसे विषम और कठिन परिस्थितियों वाले जिले में कड़े संघर्ष की चौधरी की दास्तान का सफर बचपन से ही शुरू हो गया था खेती में ठीक तरह से गुजर नहीं हो पा रहा था तो समय मिलने पर निजी बस में कई महीनो तक कंडक्टर भी की और भी छोटे-मोटे कार्य किया लेकिन अपना धैर्य हिम्मत को कभी नहीं टूटने दिया और हर तरह की कठिन परिस्थिति का मुकाबला किया स्थानीय स्तर पर किसान और ग्रामीण लोगों की समस्याओं को स्थानीय प्रशासन से जुड़े अधिकारियों के समक्ष अपने छोटे-छोटे आंदोलन के मार्फत उठाया जिसकी वजह से क्षेत्र के लोगों और किसानों में अपनी पहचान बनाना अपनी अलग पहचान बनाने का सिलसिला शुरू किया कॉलेज की पढ़ाई के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर भी कार्य करते रहे जिसकी वजह से राष्ट्रीय स्वयं संघ के बड़े पदाधिकारी की निगाहों में भी चौधरी एक अच्छे संघ के कार्यकर्ता के रूप में माने जाने लगे 1999 में बालोतरा नगर पालिका में पार्षद का चुनाव लड़ा लेकिन चुनाव हार गए इसके बावजूद भी हिम्मत नहीं हारी किसान और लोगों से नियमित रूप से अपना संवाद जारी रखा और क्षेत्र की समस्याओं को लगातार स्थानीय स्तर पर आंदोलन के माध्यम से उठाया जिसकी वजह से उनकी लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से बढ़ता रहा जिससे इन की जमीनी पकड़ मजबूत होती रही इसका फायदा इन्हें 2004 के जिला परिषद के चुनाव में मिला जब जिला परिषद के पार्षद चुन लिए 2006 में बाड़मेर जिले में कावड़ क्षेत्र में आई जोरदार बाढ़ की वजह से चौधरी ने उस समय बाढ़ से हुए नुकसान का मुआवजा पीड़ित लोगों को देने के बारे में जोरदार तरीके से स्थानीय लोगों के साथ आवाज उठाई आंदोलन किया इस दौरान सोनिया गांधी और अशोक गहलोत के बाड़मेर आने पर इन दोनों नेताओं का जोरदार विरोध किया काले झंडे दिखाये जिसमे चौधरी को जेल भी जाना पड़ा लेकिन इस आंदोलन से उनकी जमीनी पकड़ और मजबूत हुई इसलिए वर्ष 2013 में इन्हें बायतु से भाजपा ने टिकट दिया इस चुनाव में जीत हासिल करके चौधरी पहली बार राजस्थान विधानसभा के सदस्य बने हालांकि 2018 में विधानसभा चुनाव में इसी सीट से इन्हें कांग्रेस के हरीश चौधरी से पराजय का सामना भी करना पड़ा लेकिन अपनी हार से चौधरी विचलित नहीं हुए और किसान और ग्रामीण जनता के बीच अपना संपर्क और संवाद को नियमित रूप से जारी रखा इनकी अच्छी जमीनी पकड़ और लोकप्रियता को देखते हुए वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में इन्हें बाड़मेर से भाजपा ने टिकट दिया जिसमें इन्होंने जसवंत सिंह के पुत्र मानवेंद्र सिंह को हराया इसके बाद केंद्र की मोदी सरकार में इन्हें कृषि राज्य किसान कल्याण राज्य मंत्री बनाया गया कृषि राज्य मंत्री के रूप में इनके कार्यों से पीएम मोदी भी काफी प्रभावित और संतुष्ट हुए इसीलिए 2024 के लोकसभा चुनाव में इन्हें फिर से इसी सीट से टिकट दिया गया लेकिन इन्हें पराजय का सामना करना पड़ा इसके बावजूद भी चौधरी ने हिम्मत और धैर्य बनाए रखा भले ही चुनाव हार गए हो लेकिन अपने पुराने निर्वाचन क्षेत्र में चौधरी किसान और आमजन से नियमित रूप से एक आम इंसान की तरह मिलते है किसानों से बातचीत करते रहते हैं उन्हें खेती के नवाचार के बारे में बताते रहते हैं मोदी सरकार और राजस्थान सरकार की ओर से किसान और खेती के बारे में किए गए उल्लेखनीय निर्णय और योजनाओं के बारे में बढ़कर उन्हें प्रोत्साहित करते रहते हैं और किसान आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से मजबूत हो इसके लिए सतत प्रयास करते रहते हैं इसलिए चौधरी का गांव से दिल्ली तक का यह सफर जितना कठिन संघर्षीऔर उतार-चढ़ाव जैसा रहा उतना ही उनके लिए एक सक्सेसफुल किसान लीडर और एक उत्कृष्ट राजनेता साबित करने जैसा भी रहा

वर्ष 2006 में सोनिया गांधी के समक्ष चौधरी के जोशीले अंदाज को आज भी बाड़मेर के लोग नहीं भूले

वर्ष 2006 में कैलाश चौधरी की ओर से बाड़मेर जिले में सोनिया गांधी और अशोक गहलोत के समक्ष जोरदार तरीके से किए गए आंदोलन को लोग अब तक नहीं भूले हैं। हालांकि इस आंदोलन के बाद चौधरी के खिलाफ पुलिस में मामला भी दर्ज हुआ था लेकिन इस आंदोलन को लेकर चौधरी राजस्थान में ही नहीं बल्कि पूरे देश में उस समय काफी चर्चित हो गए थे। जानकारी के अनुसार वर्ष 2006 में बाड़मेर जिले में कावड़ क्षेत्र में जोरदार बरसात होने की वजह से वहां बाढ़ के हालात बन गए थे। जिसमें काफी नुकसान हुआ था उसे समय राजस्थान में वसुंधरा राजे की सरकार थी तो दिल्ली में यूपीए की सरकार थी मनमोहन सिंह भले ही प्रधानमंत्री थे लेकिन सब जानते हैं कि यूपीए सरकार की कमान एक तरह से सोनिया गांधी के हाथ में ही थी और सोनिया गांधी उस समय देश की प्रधानमंत्री नहीं होती हुई भी प्रधानमंत्री से ज्यादा पावरफुल थी सोनिया गांधी जब बाढ़ के हालातो का जायजा लेने बाड़मेर आई तो अशोक गहलोत भी उनके साथ आए थे। चौधरी यहां बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई के लिए जिले के लोगों के साथ जोरदार आंदोलन शुरू किए हुए थे और दमदार आंदोलन से केंद्र की यूपीए सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहे थे । चौधरी को शिकायत थी कि बड़े पैमाने पर नुकसान होने के बावजूद भी केंद्र सरकार ने बाड़मेर जिले के पीड़ित लोगों की सहायता नहीं की । इसलिए चौधरी काफी गुस्से में थे इसलिए सोनिया गांधी के बाड़मेर आने पर चौधरी बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और सोनिया गांधी के प्रति गहरा आक्रोश प्रकट करके उन्हें वापस लौट जाने को कहा इसी क्रम में चौधरी और उनके साथ आंदोलनकारी ने सोनिया गांधी को काले झंडे भी दिखाएं। कहा जाता है कि उस आंदोलन में चौधरी इतने गुस्से में थे कि वे नारेबाजी करते हुए गुस्से में सोनिया गांधी के बिल्कुल नजदीक पहुंच गए थे चौधरी को सोनिया गांधी के बिल्कुल नजदीक देख सोनिया गांधी की सुरक्षा में तैनात कमांडो भी हक्का-बक्का रह गए मीडिया में चर्चा तो यह भी सुनने को मिली कि चौधरी ने उस दिन गुस्से ही गुस्से में कहीं ना कहीं सोनिया गांधी के पल्लू को भी खींच लिया था और चौधरी के गुस्से में स्वरूप को देखकर सोनिया गांधी भी काफी सहम गई थी हालांकि बाद में चौधरी के खिलाफ पुलिस में मामला भी दर्ज हुआ। लेकिन उस दिन अपने इस विशाल उग्र आंदोलन और अपने विराट गुस्से को लेकर चौधरी पूरे देश के मीडिया में सुर्खियों में बन गए थे क्योंकि वह गुस्से ही गुस्से में सोनिया गांधी के सुरक्षा चक्र को तोड़कर उनके नजदीक जा पहुंचे थे इस आंदोलन के बाद चौधरी की भारतीय जनता पार्टी में एक अलग पहचान बन गई थी ।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री के रूप में किसान और खेती के बारे में कई तरह के नवाचार करके मोदी सरकार के उत्कृष्ट मंत्री के रूप में साबित हुए

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में कैलाश चौधरी ने बाड़मेर से कांग्रेस प्रत्याशी मानवेंद्र सिंह जसोल को करीब 3 लाख से ज्यादा मतों से हराया था। मानवेंद्र सिंह जसोल पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह के पुत्र थे जसवंत सिंह भाजपा के संस्थापक सदस्य रहे हैं और भाजपा के टॉप राष्ट्रीय नेताओं में उनकी गिनती होती थी इसलिए उनके पुत्र मानवेंद्र सिंह को तीन लाख वोटो से हराकर चौधरी ने खुद को बाड़मेर जैसलमेर की राजनीति में साबित करके दिखाया। इसीलिए एनडीए सरकार में पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया और उन्हें कृषि राज्य और किसान कल्याण राज्य मंत्री बनाया इस विभाग की जिम्मेदारी को चौधरी ने बहुत ही शानदार तरीके से निभाया । चौधरी का पूरा जीवन ही किसान और ग्रामीणों के बीच में गुजारा इसलिए किसान और खेती के बारे में उनकी जो समझ थी उस समझ का उन्होंने मंत्री के रूप में खूब फायदा उठाया । किसान सम्मन निधि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी बड़ी महत्वाकांक्षी कल्याणकारी योजनाओं का उन्होंने बहुत ही शानदार तरीके से क्रियान्वयन करवाया जिसका देश भर के किसानों को फायदा मिला इस दौरान चौधरी ने देश भर के किसान संगठनों और देश के अलग-अलग राज्यों के किसानों के साथ नियमित रूप से अपना संवाद जारी रखा राज्यवार किसान की समस्याएं सुनकर उनके कल्याण और विकास के लिए केंद्रीय स्तर पर योजनाएं तैयार करवाने में उनकी काफी अच्छी भूमिका रही । इसके अलावा खेती में नवाचार को बढ़ावा देने में मंत्री स्तर पर चौधरी ने काफी अच्छे प्रयास किया जैविक कृषि को बढ़ावा देने तथा किसान मौसम और जमीन के अनुकूल खेती करें इस विषय पर चौधरी का विशेष फोकस रहा और उन्होंने केंद्रीय मंत्री के रूप में किसानों में ज्यादा से ज्यादा खेती के नवाचार और तकनीकी खेती के प्रचार प्रसार की व्यवस्थाएं की ताकि किसान खेती में नवाचार और तकनीकी क्षमता का उपयोग करके अच्छा उत्पादन करके अपनी इनकम को बढ़ा सके देशभर के किसान संगठनों की ओर से आने वाले सुझाव और सलाह को प्रमुखता देते हुए चौधरी ने किसान संगठनों की सलाह को केंद्र सरकार के बजट और योजनाओं में पूरा सम्मान और तवज्जो दिया जिसकी वजह से किसान संगठनों का भी मोदी सरकार और चौधरी के प्रति अच्छा भाव पैदा हुआ। कैलाश चौधरी वर्ष 2013 से 2018 तक बायतु से विधायक रहे और वर्ष 2019 से 2024 तक केंद्र की मोदी सरकार में कृषि राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त रहे लेकिन राजनीति के इस सफर मेंआज तक चौधरी पर कभी भी किसी तरह का कोई भी गलत आरोप नहीं लगा भ्रष्टाचार में जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करते हुए इन्होंने जनता के लिए जारी तमाम तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं को ईमानदारी से क्रियान्वित करवाया राजस्थान में विधायक रहने के दौरान भी विधायक निधि फंड के तहत होने वाले विकास कार्यों को अपने क्षेत्र में ईमानदारी से संपादित करवाया सरकार की ओर से जनता के कल्याण के लिए जारी किए गए एक-एक पैसे पर चौधरी ने कड़ी निगरानी रखी केंद्र में मंत्री रहने के दौरान भी हजारों करोड़ों रुपए की कल्याणकारी योजनाएं और कार्य कृषि मंत्रालय के तहत देश भर में संपादित हुए लेकिन चौधरी के कामकाज और उनके नैतिक आचरण पर किसी ने भी उंगली नहीं उठाई विपक्ष को भी चौधरी पर उंगली उठाने का थोड़ा सा भी मौका नहीं मिला चौधरी जितने सरल सहज और आम इंसान दिखते हैं उतने ही ईमानदार और अपने काम और ड्यूटी के प्रति समर्पित भाव रखते हैं इसलिए प्रदेश भाजपा और दिल्ली में बैठे भारतीय जनता पार्टी के सभी बड़े लीडर चौधरी की ईमानदारी और उनके कर्मठ भाव से काफी प्रभावित हैं ।

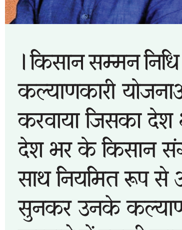

वर्ष 2013 से 2018 तक राजस्थान में किसान मोर्चा को दी नई दिशा और गति

कैलाश चौधरी वर्ष 2013 से 2018 के बीच बायतु के विधायक भी रहे और उन्होंने राजस्थान किसान मोर्चा के अध्यक्ष पद पर भी कार्य किया इस दौरान चौधरी ने अपने अनुभव बुद्धि कौशल और किसानों से नियमित संवाद करके किसान मोर्चा को नई गति और दिशा दी चौधरी ने तत्कालीन वसुंधरा राज्य सरकार की ओर से किसानों के कल्याण और विकास के लिए संपादित की गई । योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए मोर्चा स्तर पर भी शानदार तरीके से कार्य किया प्रदेश के किसानों को सरकार की योजनाओं की जानकारी देने के लिए किसान के घर-घर जाकर मोर्चा से जुड़े नेताओं ने किसानों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान किसान संगठनों से संवाद के दौरान किसान और खेती की भलाई और विकास के लिए जो सुझाव और सलाह उन्हें मिली उन्हें तत्कालीन वसुंधरा राजे सरकार तक पहुंचा जिसकी वजह से बजट तैयार करने में सरकार को काफी सहायता मिली । इसके अलावा प्रदेश के किसान ज्यादा से ज्यादा भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हैं ज्यादा से ज्यादा किसान परिवार के युवा भाजपा से जुड़े इसके लिए मोर्चा की ओर से सभी जिलों में मंडल ब्लॉक और बूथ स्तर पर नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित किए गए । भाजपा की ओर से तत्कालीन यूपीए सरकार के खिलाफ अगर कोई आंदोलन करने का निर्णय लिया गया तो उस आंदोलन में भी किसान मोर्चा ने दमदार तरीके से अपनी उपस्थिति दिखाई। इसलिए वर्ष 2013 और 2018 का किसान मोर्चा का कालखंड भी भाजपा के संगठन को गति और नई दिशा देने के लिहाज से काफी शानदार रहा शायद यही वजह है कि एक बार फिर से चौधरी को किसान मोर्चा की जिम्मेदारी राजस्थान में दी गई है।

केंद्रीय मंत्री रहने के दौरान भी अपने निर्वाचन क्षेत्र का नियमित रूप से दौरा करते रहे और लोगों से पहले की तरह ही आम इंसान की तरह मिलते रहे

केंद्र में मंत्री रहने के दौरान भी कैलाश चौधरी अपने निर्वाचन क्षेत्र बाड़मेर जैसलमेर का नियमित रूप से दौरा करते रहे । क्षेत्र के लोगों से और किसानों से नियमित रूप से मुलाकात और संवाद करके उनके सुख-दुख में पहले की तरह शामिल होते रहे और अपने निर्वाचन क्षेत्र में उन्होंने काफी विकास कार्य भी करवाएं। केंद्र में मंत्री बनने के बावजूद भी चौधरी के व्यवहार कार्यशाली पहनावा इत्यादि में बिल्कुल भी बदलाव नहीं आया साधारण कपड़े पहने और साधारण इंसान की तरह हर किसी से मिलते रहते थे जैसे पहले ठेठ किसान अंदाज में किसानों से मिलते थे वैसे ही केंद्र में मंत्री बनने के बावजूद भी अपने क्षेत्र के लोगों से अपने पुराने अंदाज में ही मिलते रहे जिसकी वजह से उनकी जमीनी पकड़ और क्षेत्र के लोगों में उनकी लोकप्रियता का ग्राफ रोजाना बढ़ता ही रहा। चौधरी के केंद्र में मंत्री होने का फायदा बाड़मेर जैसलमेर के लोगों को खूब मिला जिसके फलस्वरूप बाड़मेर जैसलमेर में केंद्र सरकार के बजट से विभिन्न क्षेत्रों में वर्ष 2019 से 2024 तक व्यापक कार्य हुए हालांकि इस दौरान राजस्थान में कांग्रेस पार्टी की सरकार रही लेकिन चौधरी ने केंद्र सरकार की ओर से संचालित योजनाओं और बजट में बाड़मेर जैसलमेर को काफी कुछ दिलाया जिसकी वजह से यहां व्यापक तौर पर उत्कृष्ट विकास कार्य हुए चौधरी की ओर से बालोतरा में स्थापित की गई लाइब्रेरी और क्षेत्र के युवाओं के करियर को दिशा और गति देने के लिए भी कई तरह के कार्य किए गए जिनकी वजह से क्षेत्र की युवा चौधरी को आज भी काफी पसंद करते हैं।

कैलाश चौधरी की प्राथमिकता -किसान आर्थिक दृष्टि से और मजबूत हो और किसान आत्मनिर्भर और स्वावलंबी हो

राजस्थान में भाजपा के किसान मोर्चा का नेतृत्व कर रहे कैलाश चौधरी का कहना है कि उनकी पहली प्राथमिकता किसान आर्थिक दृष्टि से और मजबूत हो किसान स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बने इसके लिए मोर्चा एक तरफ जहां केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार की ओर से किसान और खेती के कल्याण और विकास के लिए संपादित की जा रही है। विभिन्न तरह की योजनाओं को प्रदेश में प्रत्येक किसान तक दमदार तरीके से पहुंचायेगां तो दूसरी तरफ किसान संगठनों और किसानों से संवाद के दौरान किसान और खेती की भलाई के लिए जो भी सुझाव मिलेंगे उन सुझावों को राजस्थान सरकार और केंद्र सरकार तक भिजवा कर किसान और खेती के कल्याण के लिए ज्यादा से ज्यादा कार्य करेंगे । उन्होंने कहा कि किसान मोर्चा चाहता है कि किसान आर्थिक रूप से और मजबूत हो और यह तभी होगा जब किसान आधुनिक खेती और तकनीकी खेती की तरफ ज्यादा ध्यान दें इसके लिए किसान मोर्चा अपने स्तर पर भी किसानों में जन जागरण अभियान शुरू करके किसानों को जैविक कृषि और आधुनिक कृषि के लिए प्रेरित करेगा। किसान मोर्चा किसानों को नियमित रूप से जमीन का परीक्षण कराकर कृषि विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर ही खेती करने के लिए प्रेरित करेगा। किसान मोर्चा किसानों को यह बताने का प्रयास करेगा की कम पानी में भी ऐसी बहुत सी फसल है जिन्हें पैदा करके किसान अच्छा कमा सकते हैं। चौधरी का कहना है कि किसान देश की आत्मा है और गांव में बसता है तथा किसान के वोटो की ताकत पर ही प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार का गठन होता है इसलिए प्रदेश और देश का विकास तभी समुचित रूप से हो सकता है। जब किसान समृद्धि और खुशहाल हो इसलिए किसान मोर्चा राजस्थान में केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश के भजनलाल सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर किसान और खेती के कल्याण के लिए कार्य करेगा। कैलाश चौधरी ने नागपुर विश्वविद्यालय से बैचलर आफ आर्ट्स और बी.डी.पी. की डिग्री ली हुई है। कॉलेज की पढ़ाई के दौरान चौधरी ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में भी कार्य किया इसके अलावा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भी जुड़े और संघ में भी इन्होंने समर्पित और कर्मठ भाव से कार्य किया इसलिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े बड़े लोगों का भी इन पर विशेष आशीर्वाद और जुड़ाव रहा है इसके अलावा बाड़मेर जिला भाजपा संगठन में भी अच्छे पदों पर कार्य करते हुए पार्टी के संगठन को गति और दिशा दी चौधरी बाड़मेर जिला भाजपा के महामंत्री भी रहे हैं । बाड़मेर जिले में भारतीय जनता पार्टी के संगठन को गति देने और भाजपा के विस्तार में चौधरी की काफी अच्छी भूमिका रही है। चौधरी बाड़मेर जिले के किसान और ग्रामीण लोगों में तो लोकप्रिय है ही इसके अलावा अपने जोशीले अंदाज और अपने क्षेत्रीय स्तर पर किए गए शानदार आंदोलन से बाड़मेर जिले के युवाओं में भी काफी लोकप्रिय हैं। इसलिए इनके पास कार्यकर्ताओं की भी अपने स्तर पर अच्छी टीम है जिसकी वजह से भारतीय जनता पार्टी की ओर से इन्हें की ओर से इन्हें जो भी जिम्मेदारी अब तक मिली है उस जिम्मेदारी को शानदार तरीके से निभाया है ।

एक अच्छे वक्त माने जाते हैं और पार्टी की गुटबाजी से हमेशा दूर रहे

कैलाश चौधरी अच्छे वक्ता के रूप में भी माने जाते हैं और जमीन से जुड़े मुद्दों तथा ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों और मुद्दों के बारे में व्यापक नॉलेज रखते हैं राजस्थान विधानसभा में विधायक रहने के दौरान बजट भाषण और अनुदान मांगों की बहस के दौरान भी इन्होंने किसान खेती और पंचायत राज विभाग से जुड़े मुद्दों पर शानदार तरीके से अपना प्रवचन दिया पानी बिजली सड़क चिकित्सा शिक्षा जैसे क्षेत्रों से जुड़े विषयों पर राजस्थान विधानसभा में चौधरी के लेक्चरर्स काफी प्रभावशाली रहे 2013 में चौधरी जब पहली बार विधानसभा में पहुंचे तो इनके सदन में विभिन्न मुद्दों पर भाषण सुनकर ऐसा लग ही नहीं की चौधरी पहली बार विधानसभा में पहुंचे हैं विभिन्न मुद्दों और विभिन्न विषयों पर इनकी समझ इनकी सोच और दूरदर्शी सोच सदन में हर किसी के लिए आकर्षण का विषय बनी रही इसके अलावा जब से चौधरी ने भारतीय जनता पार्टी में पर्दापन किया है तब से लेकर अब तक चौधरी ने हमेशा भाजपा को अपनी मां समझकर सेवा की है पार्टी के प्रति कभी भी गद्दारी नहीं की और हमेशा पार्टी के संगठन को मजबूती देने के साथ-साथ चाहे पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव हो या फिर विधानसभा लोकसभा के पार्टी के उम्मीदवारों की जीत को सुनिश्चित करने में समर्पित भाव से कार्य और मेहनत की और कभी भी पार्टी की गुटबाजी को खुद पर हावी नहीं होने दिया सभी सीनियर नेताओं का सम्मान किया और अपने से छोटे नेताओं के कंधे पर हाथ रखकर भाजपा की सेवा की इसलिए चौधरी राजस्थान भाजपा में एक ऐसे नेता के रूप में माने जाते हैं जिन्हें पार्टी के सभी नेता पसंद करते हैं

कहानी

ब्राह्मणी और तिल के बीज

एक बार की बात है एक निर्धन ब्राह्मण परिवार रहता था, एक समय उनके यहाँ कुछ अतिथि आये, घर में खाने पीने का सारा सामान ख़त्म हो चुका था, इसी बात को लेकर ब्राह्मण और ब्राह्मण-पत्नी में यह बातचीत हो रही थी: ब्राह्मण---- 'कल सुबह कर्क-संक्रान्ति है, भिक्षा के लिये मैं दूसरे गाँव जाऊँगा । वहाँ एक ब्राह्मण सूर्यदेव की तृप्ति के लिए कुछ दान करना चाहता है । ' पत्नी--- 'तुझे तो भोजन योग्य अन्न कमाना भी नहीं आता । तेरी पत्नी होकर मैंने कभी सुख नहीं भोगा, मिष्टान्न नहीं खाये, वस्त्र और आभूषणों को तो बात ही क्या कहनी ' ब्राह्मण---- 'देवी ! तुम्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए । अपनी इच्छा के अनुरुप धन किसी को नहीं मिलता । पेट भरने योग्य अन्न तो मैं भी ले ही आता हूँ । इससे अधिक की तृष्णा का त्याग कर दो । अति तृष्णा के चक्कर में मनुष्य के माथे पर शिखा हो जाती है । ' ब्राह्मणी ने पूछा---- 'यह कैसे ' तब ब्राह्मण ने सूअर---शिकारी और गीदड़ की यह कथा सुनाई---- एक दिन एक शिकारी शिकार की खोज में जंगल की ओर गया । जाते-जाते उसे वन में काले अंजन के पहाड़ जैसा काला बड़ा सूअर दिखाई दिया । उसे देखकर उसने अपने धनुष की प्रत्यंचा को कानों तक खींचकर निशाना मारा । निशाना ठीक स्थान पर लगा । सूअर घायल होकर शिकारी की ओर दौड़ा । शिकारी भी तीखे दाँतों वाले सूअर के हमले से गिरकर घायल होगया । उसका पेट फट गया । शिकारी और शिकार दोनों का अन्त हो गया । इस बीच एक भटकता और भूख से तड़पता गीदड़ वहाँ आ निकला । वहाँ सूअर और शिकारी, दोनों को मरा देखकर वह सोचने लगा, 'आज दैववश बड़ा अच्छा भोजन मिला है । कई बार बिना विशेष उद्यम के ही अच्छा भोजन मिल जाता है । इसे पूर्वजन्मों का फल ही कहना चाहिए । ' यह सोचकर वह मृत लाशों के पास जाकर पहले छोटी चीजें खाने लगा । उसे याद आगया कि अपने धन का उपयोग मनुष्य को धीरे-धीरे ही करना चाहिये; इसका प्रयोग रसायन के प्रयोग की तरह करना उचित है । इस तरह अल्प से अल्प धन भी बहुत काल तक काम देता है । अतः इनका भोग मैं इस रीतिसे करूँगा कि बहुत दिन तक इनके उपभोग से ही मेरी प्राणयात्रा चलती रहे ।

यह सोचकर उसने निश्चय किया कि वह पहले धनुष की डोरी को खायगा । उस समय धनुष की प्रत्यंचा चढ़ी हुई थी; उसकी डोरी कमान के दोनों सिरों पर कसकर बँधी हुई थी । गीदड़ ने डोरी को मुख में लेकर चबाया । चबाते ही वह डोरी बहुत वेग से टूट गई; और धनुष के कोने का एक सिरा उसके माथे को भेद कर ऊपर निकला आया, मानो माथे पर शिखा निकल आई हो । इस प्रकार घायल होकर वह गीदड़ भी वहीं मर गया । ब्राह्मण ने कहा--- 'इसीलिये मैं कहता हूँ कि अतिशय लोभ से माथे पर शिखा हो जाती है । ' ब्राह्मणी ने ब्राह्मण की यह कहानी सुनने के बाद कहा---- 'यदि यही बात है तो मेरे घर में थोड़े से तिल पड़े हैं । उनका शोधन करके कूट छाँटकर अतिथि को खिला देती हूँ । ' ब्राह्मण उसकी बात से सन्तुष्ट होकर भिक्षा के लिये दूसरे गाँव की ओर चल दिया । ब्राह्मणी ने भी अपने वचनानुसार घर में पड़े तिलों को छाँटना शुरु कर दिया । छाँट-पछोड़ कर जब उसने तिलों को सुखाने के लिये धूप में फैलाया तो एक कुत्ते ने उन तिलों को मूत्र-विष्ठा से खराब कर दिया । ब्राह्मणी बड़ी चिन्ता में पड़ गई । यही तिल थे, जिन्हें पकाकर उसने अतिथि को भोजन देना था । बहुत विचार के बाद उसने सोचा कि अगर वह इन शोधित तिलों के बदले अशोधित तिल माँगेगी तो कोई भी दे देगा । इनके उच्छिष्ट होने का किसी को पता ही नहीं लगेगा । यह सोचकर वह उन तिलों को छाज में रखकर घर-घर घूमने लगी और कहने लगी---- 'कोई इन छँटे हुए तिलों के स्थान पर बिना छँटे तिल देदे । ' अचानक यह हुआ कि ब्राह्मणी तिलों को बेचने एक घर में पहुँच गई, और कहने लगी कि--- 'बिना छँटे हुए तिलों के स्थान पर छँटे हुए तिलों को ले लो ।' उस घर की गृहपत्नी जब यह सौदा करने जा रही थी तब उसके लड़के ने, जो अर्थशास्त्र पढ़ा हुआ था, कहा: 'माता !

साम्राज्यवाद का प्रतिरोध आवश्यक

वैश्विक राजनीति के बारे में कहा जाता है कि वह सिद्धांतों एवं मानदंडों के आधार पर संचालित होती है, लेकिन हालिया उदाहरण कुछ और ही संकेत करते हैं। वेनेजुएला में अमेरिकी हमले के बाद ताइवान को लेकर समय-समय आक्रामकता दिखाने वाले चीन पर भी अंतरराष्ट्रीय कानून वाले तर्क बेमानी हो जाते हैं। लैटिन भाषा में 'टू कुआकवे' जैसी एक संकल्पना है, जिसके अनुसार प्रतिद्वंद्वी के व्यक्तिगत व्यवहार और कार्यों को उनके तर्क के साथ असंगत बताकर उनके तर्क को अमान्य कर दिया जाता है। वेनेजुएला में सशस्त्र हमला कर और उसकी आंतरिक राजनीति को जबरदस्ती बदलकर ट्रंप ने हर संभावित हमलावर को सुविधाजनक बहाना दे दिया है। ट्रंप प्रशासन की नवीनतम राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अमेरिका लैटिन अमेरिका पर प्रभुत्व स्थापित करने और एक ऐसे पश्चिमी गोलार्ध का निर्माण करने के लिए उन्नीसवीं सदी के 'मोनरो सिद्धांत' को समकालीन संदर्भ में लागू करेगा, जिससे पूरे क्षेत्र की सरकारों को अमेरिका के आर्थिक और सामरिक हितों के अनुसार चलना होगा। अगर लैटिन अमेरिका में अमेरिका की धौंस जायज है, तो एशिया में चीन अपने आप को बेताज बादशाह क्यों न मान ले?
देखा जाए तो ताइवान का परिप्रेक्ष्य वेनेजुएला से भिन्न है , मगर जब संप्रभुता और शांतिपूर्वक बर्ताव के सिद्धांत ही लुप्त हो रहे हों तो राष्ट्रपति शी चिनफिंग जैसे आक्रामक नेता

वेनेजुएला में अमेरिकी हमला यही दर्शाता है कि हम महाशक्तियों की घातक प्रतिस्पर्धा और उनके मनमाने हस्तक्षेपों के दौर में जी रहे हैं। ऐसे दौर में जहां अंतरराष्ट्रीय कानूनों और जंगल के कानूनों में कोई अंतर ही नहीं रह गया है। वेनेजुएला में तख्तापलट के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शेखी बघारते हुए कहा, 'हमें इसे फिर से करना होगा, हम फिर से ऐसा कर सकते हैं और कोई हमें रोक नहीं सकता।' यानी जिसकी लाठी उसी की भैंस। ट्रंप का यह औपनिवेशिक दावा कि 'हम वेनेजुएला को चलाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि इसे ठीक से चलाया जाए', स्पष्ट संकेत है कि शक्तिशाली ही शक्तिहीन पर राज करेंगे। ट्रंप ने वेनेजुएला में अवैध रूप से सत्ता परिवर्तन करके वहां के खनिजों को अमेरिकी कंपनियों के एकाधिकार में लाने की खुलेआम घोषणा से सिद्ध कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के जो भी बचे-कुचे बंधन थे, वे भी ध्वस्त होते जा रहे हैं। इससे पहले रूस ने अपने मुकाबले कमजोर पड़ोसी यूक्रेन पर आक्रमण कर उस पर विशेषाधिकारों का दावा किया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अनुसार बड़ी शक्तियों को अपने-अपने प्रभाव वाले क्षेत्र रखने की स्वतंत्रता होनी चाहिए और यूक्रेन की सच्ची संप्रभुता तभी संभव है जब वह रूस के प्रति मित्रवत और पराधीन रहे। इनके उलट चीन ने अभी तक ताइवान पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण करने या भारत, वियतनाम, फिलीपींस अथवा जापान पर सीधे हमले का प्रयास नहीं किया है, परंतु कमजोर पड़ोसियों के प्रति उसका भी औपनिवेशिक और दबंग रवैया है जो दिन-प्रतिदिन और बिगड़ता जा रहा है। जब सभी बलशाली देश आक्रामक और लुटेरे तेवरों पर उतर आएं तो बड़ी मछली का छोटी मछली को निगलना सामान्यीकृत होने लगता है। वैश्विक राजनीति के बारे में कहा जाता है कि वह सिद्धांतों एवं मानदंडों के आधार पर संचालित होती है, लेकिन हालिया उदाहरण कुछ और ही संकेत करते हैं। वेनेजुएला में अमेरिकी हमले के बाद ताइवान को लेकर समय-समय आक्रामकता दिखाने वाले चीन पर भी अंतरराष्ट्रीय कानून वाले तर्क बेमानी हो जाते हैं। लैटिन भाषा में 'टू कुआकवे' जैसी एक संकल्पना है, जिसके अनुसार प्रतिद्वंद्वी के व्यक्तिगत व्यवहार और कार्यों को उनके तर्क के साथ असंगत बताकर उनके तर्क को अमान्य कर दिया जाता है। वेनेजुएला में सशस्त्र हमला कर और उसकी आंतरिक राजनीति को जबरदस्ती बदलकर ट्रंप ने हर संभावित हमलावर को सुविधाजनक बहाना दे दिया है। ट्रंप प्रशासन की नवीनतम राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अमेरिका लैटिन अमेरिका पर प्रभुत्व स्थापित करने और एक ऐसे पश्चिमी गोलार्ध का निर्माण करने के लिए उन्नीसवीं सदी के 'मोनरो सिद्धांत' को समकालीन संदर्भ में लागू करेगा, जिससे पूरे क्षेत्र की सरकारों को अमेरिका के आर्थिक और सामरिक हितों के अनुसार चलना होगा। अगर लैटिन अमेरिका में अमेरिका की धौंस जायज है, तो एशिया में चीन अपने आप को बेताज बादशाह क्यों न मान ले? देखा जाए तो ताइवान का परिप्रेक्ष्य वेनेजुएला से भिन्न है, मगर जब संप्रभुता और शांतिपूर्वक बर्ताव के सिद्धांत ही लुप्त हो रहे हों तो राष्ट्रपति शी चिनफिंग जैसे आक्रामक नेता अराजकता का फायदा क्यों नहीं उठाएंगे? चीन निश्चित रूप से इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और अब वेनेजुएला में पश्चिमी दखलंदाजी का हवाला देकर ताइवान और अन्य एशियाई पड़ोसियों पर दबाव और हमले की योजनाओं को तेज करेगा। रूस की तरह चीन भी कहता आ रहा है कि पश्चिमी शक्तियों के पाखंड और दोहरे रवैये के कारण ही अंतरराष्ट्रीय कानूनों के चिथड़े उड़ गए हैं और वे दोनों अपनी 'आत्मरक्षा' के नाम पर सख्त से सख्त कार्रवाई करने के लिए स्वयं को विवश बताते हैं। ताइवान को धमकाने के लिए चीन द्वारा किए जा रहे प्रत्येक युद्ध अभ्यास में अनिश्चितता अंतर्निहित है और इनमें से कोई भी वास्तविक युद्ध में तब्दील हो सकता है। अब तक अगर ताइवान पर चीन ने धावा नहीं बोला है तो यह अंतरराष्ट्रीय नियम या विधि के प्रति शी चिनफिंग की श्रद्धा के कारण नहीं है, बल्कि उस उपयुक्त समय की प्रतीक्षा की वजह से है जब हिंद-प्रशांत में शक्ति संतुलन और भूराजनीतिक परिस्थितियां चीन के पक्ष में कहीं अधिक झुक जाएं। चीन भली-भांति जानता है की अमेरिका अब भी 'खुले एवं स्वतंत्र' हिंद-प्रशांत को अपना मूल राष्ट्रीय हित मानता है और अमेरिकी सैन्य सामग्री लगातार ताइवान तथा अन्य एशियाई मित्र देशों को बेची भी जा रही है। चिनफिंग यह चाहेंगे कि वेनेजुएला में हस्तक्षेप के बाद अगर अमेरिका उसी पड़ोसी क्षेत्र में उपनिवेशवादी मंशा से ज्यादा उलझ जाए और चीन के साथ व्यापार समझौते के चलते एशिया की तकदीर चीन के हाथों छोड़ दें तो ताइवान पर आधिपत्य का उसके पास सुनहरा मौका होगा। आक्रामक महाशक्तियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर किए जा रहे व्यापक आघातों के मद्देनजर छोटे देशों के लिए अपना अस्तित्व बचाए रखने की क्या रणनीति हो सकती है? मौलिक स्तर पर उन्हें समूचे 'वैश्विक दक्षिण' में एकजुट होकर हस्तक्षेप की नितांत अस्वीकृति के सिद्धांत पर जोर देना होगा, ताकि महाशक्तियों का जंगल-राज एक सामान्य दस्तूर न बन जाए। व्यावहारिक स्तर पर उन्हें क्षेत्रीय एकीकरण और एकता को प्राथमिकता देनी होगी, ताकि कोई भी महाशक्ति आसानी से उनमें भेद पैदा करके उन्हें बांट न सके। वेनेजुएला में मादुरो ने सबसे बड़ी भूल यह की कि पड़ोसी लैटिन अमेरिकी देशों के साथ उन्होंने वर्षों से दुश्मनियां मोल लीं और अंत में अमेरिकी आक्रमण को टालने के लिए कोई प्रांतीय गठबंधन या संस्थान शेष नहीं रहा। स्मरण रहे कि एक सभ्य विश्व व्यवस्था का निर्माण तभी संभव है, जब कमजोर देश एकजुट होकर वर्चस्व का विरोध करें।

सम्पादकीय

जवाबदेही के बजाए दिया जा रहा मुआवजा

इंदौर में पेयजल दूषित होने की वजह से कई लोगों की मौत के बाद राहत के तौर पर सरकार की ओर से मुआवजे की घोषणा की गई, लेकिन सवाल है कि क्या कुछ रस्मी औपचारिकताएं पूरी करना इस समस्या का हल हो सकता है! सबसे जरूरी था कि इस घटना के बाद निचले स्तर के संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के समांतर शीर्ष स्तर पर बरती गई लापरवाही के लिए भी जिम्मेदारी तय की जाती। मगर ऐसा लगता है कि इसे किसी सामान्य हादसे की शक्ल में देखा जा रहा है। वरना क्या कारण है कि इतने गंभीर मामले के बाद भी सरकार के रवैये में एक अफसोसनाक उदासीनता दिख रही है। इसकी जिम्मेदारी लेने के बजाय वहां के एक मंत्री सवालों को जिस तरह बेमानी बता रहे थे, उसमें एक विचित्र उपेक्षाभाव था। अव्वल तो पेयजल जैसी सबसे बुनियादी जरूरत के पूरी तरह सुरक्षित होने को लेकर सरकार अपनी ओर से सजग रहती, लेकिन इसके बजाय मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को यह आदेश देना पड़ा है कि प्रभावित इलाके में पीने के पानी के अतिरिक्त टैंकर भेजे जाएं। इस घटना से फिर यही जाहिर हुआ है कि महज हादसा या चूक मानी जाने वाली कई घटनाएं अक्सर अधिकारियों की अदूरदर्शिता, लंबे समय से बरती जाने वाली लापरवाही और कई बार जानबूझ कर की गई उपेक्षा का नतीजा होती हैं। इंदौर के जिस इलाके में पेयजल दूषित होने की घटना सामने आई, क्या ऐसा अचानक हो गया होगा? अगर फिलहाल आई खबरों पर ही भरोसा किया जाए कि पानी की आपूर्ति वाले पाइप में गंदे नाले का पानी मिल गया, तो इस पर निगरानी रखना किसकी जिम्मेदारी है? एक बार पेयजल की पाइप बिछा देने के बाद उसमें पानी आ रहा है या नहीं या फिर वह पीने के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित है, इसकी नियमित जांच करने, गड़बड़ियों की निगरानी करने का दायित्व किस पर है? अगर संबंधित महकमे में निचले स्तर पर तैनात कर्मचारी लापरवाही बरत रहे थे, तो इसका ध्यान रखना किसका काम था? इस गंभीर घटना के बाद सवाल उठने और कठघरे में खड़ा किए जाने के बाद जहां सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेकर सख्त संदेश देने वाली कार्रवाई करनी चाहिए थी, वहां उसके मंत्री संवेदनहीन, अवांछित और गैरजिम्मेदाराना टिप्पणी कर रहे थे। अफसोस की बात यह भी है कि इस समूचे मामले में केंद्र सरकार ने एक तरह से विचित्र चुप्पी साधे रखी और उसकी ओर से कुछ नहीं किया गया। जबकि पिछले कई वर्षों से स्वच्छता के लिए तमगा जीतने वाले इंदौर में दूषित पेयजल से जिस तरह की त्रासद घटना सामने आई, वैसे में पीड़ित परिवारों से लेकर देश भर के आम लोग यह उम्मीद करते हैं कि इसकी गंभीरता के मद्देनजर केंद्र सरकार दखल देगी। दरअसल, ऐसे नाजुक मौकों पर सबसे ज्यादा जरूरी यह होता है कि सरकार आम लोगों के प्रति संवेदनशील दिखे और इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने देने का भरोसा दे। मगर कम से कम इस मामले में सच यह है कि लोगों का सरकार पर से भरोसा बुरी तरह टूटा है।

उच्च शिक्षा की समस्याओं का समाधान

भले ही यह उत्साहजनक लगे, लेकिन देश की जरूरतों के मुकाबले अभी भी पर्याप्त नहीं। युवावर्ग अब भी बड़ी संख्या में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा खोज रहा है। आपूर्ति की कमी का असर छात्र के इस निर्णय पर पड़ता है कि वह कहां पढ़े। सख्त आव्रजन नीतियों के बाद भी भारतीय छात्र बड़ी संख्या में विदेश पढ़ने जा रहे हैं। कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन उनके प्रमुख गंतव्य हैं। हालांकि अब फ्रांस, आयरलैंड और इटली भी तेजी से छात्रों में लोकप्रिय हो रहे हैं। जनवरी 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार 12 लाख से अधिक भारतीय छात्र विदेश में पढ़ रहे थे। इस आंकड़े से घरेलू स्तर पर आवश्यकता और सीमित विकल्प साफ उजागर होते हैं। इन चुनौतियों के बीच से ही बड़े अवसर भी उत्पन्न होते हैं। तेजी से बदलती दुनिया में पहला अवसर नवाचार में निहित है। भारत में हमें अधिक बहुविषयक कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

केवल डिग्री हासिल कर लेने को शिक्षा नहीं कह सकते। शिक्षा वह शक्ति है, जो जीवन को दिशा देती है। सफल शिक्षा एक व्यक्ति के सोचने का तरीका बदल सकती है, उसे जीवन उद्देश्य दे सकती है और अपने भीतर छिपी संभावनाएं पहचानने का अवसर दे सकती है। खासतौर पर उच्च शिक्षा वह पड़ाव है, जहां युवा अपनी रुचियों और क्षमताओं को पहचानते हैं और भविष्य की राह खोजने की शुरुआत करते हैं। जहां एक तरफ स्कूली शिक्षा हमें हमारे आसपास की दुनिया का ज्ञान देती है, वहीं उच्च शिक्षा छात्रों को अपने विकल्प जानने की आजादी देती है। उच्च शिक्षा समय है अलग-अलग विषयों और क्षेत्रों को समझने और यह तय करने का कि उन्हें जीवन में क्या करना है। यह प्रक्रिया सरल नहीं, जटिल होती है। एक छात्र के आजादी से अपनी राह चुन सकने के पीछे एक मजबूत संस्थान, संसाधन और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है।

भारत जैसे विशाल और विविध देश में संस्थान निर्माण एक बहुत बड़ी चुनौती है। आज देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी की उम्र 35 वर्ष से कम है। हर साल लाखों छात्र स्कूलों से निकलकर उच्च शिक्षा की ओर रुख करते हैं, लेकिन संस्थानों में इतनी सीटें ही नहीं कि सबको दाखिला मिल सके। नतीजतन प्रतिस्पर्धा और तेज होती जा रही है और परीक्षाएं और ज्यादा मानकीकृत हो रही हैं। इस सबके साथ-साथ व्यवस्था अक्सर प्रशासनिक सुविधा की सहूलियत देखती है। इस गहन माहौल में हर छात्र की अलग पहचान और क्षमता पर ध्यान दे पाना असंभव हो जाता है। आज भारत में लगभग 70,018 उच्च शिक्षा संस्थान हैं।

भले ही यह उत्साहजनक लगे, लेकिन देश की जरूरतों के मुकाबले अभी भी पर्याप्त नहीं। युवावर्ग अब भी बड़ी संख्या में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा खोज रहा है। आपूर्ति की कमी का असर छात्र के इस निर्णय पर पड़ता है कि वह कहां पढ़े। सख्त

आव्रजन नीतियों के बाद भी भारतीय छात्र बड़ी संख्या में विदेश पढ़ने जा रहे हैं। कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन उनके प्रमुख गंतव्य हैं। हालांकि अब फ्रांस, आयरलैंड और इटली भी तेजी से छात्रों में लोकप्रिय हो रहे हैं। जनवरी 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार 12 लाख से अधिक भारतीय छात्र विदेश में पढ़ रहे थे। इस आंकड़े से घरेलू स्तर पर आवश्यकता और सीमित विकल्प साफ उजागर होते हैं। इन चुनौतियों के बीच से ही बड़े अवसर भी उत्पन्न होते हैं। तेजी से बदलती दुनिया में पहला अवसर नवाचार में निहित है। भारत में हमें अधिक बहुविषयक कार्यक्रमों की आवश्यकता है। हमें ऐसे कार्यक्रमों के बारे में सोचना होगा, जो तकनीक, पर्यावरण, सूचना और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े हों। मैनेजमेंट, कानून और मेडिकल जैसे पारंपरिक कोर्स को भी नए ढंग से देखना होगा। नए पाठ्यक्रम, बेहतर तकनीक और उद्योग से पढ़ाई को जोड़ कर भारतीय संस्थान खुद को वैश्विक स्तर पर मजबूत बना सकते हैं। दूसरा बड़ा अवसर है, डिजिटल शिक्षा। हाइब्रिड माडल प्रभावी हो सकते हैं, जिन्हें आनलाइन और आफलाइन पढ़ाई को मिलाकर बनाया गया हो। अगर सही ढंग से लागू किए जाएं तो ये बड़े पैमाने पर लाभकारी शिक्षा का साधन बन सकते हैं। भारत जैसे विशाल और विविध देश में, जहां छात्र दूरदराज के इलाकों में रहते हैं, डिजिटल शिक्षा एक असरदार समाधान प्रस्तुत करती है। अपने सशक्त डिजिटल ढांचे की सहायता से भारत विश्व के लिए एक उदाहरण स्थापित कर सकता है, और उसे ऐसा करना भी चाहिए। नीतिगत स्तर पर आज सकारात्मक बदलाव दिख रहे हैं। तीन दशक बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा व्यवस्था में बड़े सुधारों का बीड़ा उठाया है।

बेलगाम ट्रंप, टैरिफ बढ़ाने चेतावनी

वेनेजुएला पर हमला कर वहां के राष्ट्रपति का अपहरण कराने और ईरान समेत अन्य दक्षिण अमेरिकी देशों को धमकाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह रूस से तेल खरीद के मामले में भारत पर टैरिफ बढ़ाने चेतावनी दी, वह उनके बढ़ते अहंकार का नया प्रमाण है। उन्होंने जिस तरह यह कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे हैं, लेकिन वे जानते हैं कि रूस से तेल खरीदने के कारण मैं उनसे खुश नहीं और मुझे खुश करना जरूरी है, उससे उनकी तानाशाही मानसिकता ही प्रकट होती है। वे न केवल पूरी तरह बेलगाम दिख रहे हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक शिष्टाचार की भी धज्जियां उड़ा रहे हैं। वे ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे दुनिया के थानेदार हों या फिर उन्हें विश्व को अपने हिसाब से चलाने का जनादेश मिला हुआ है। वे

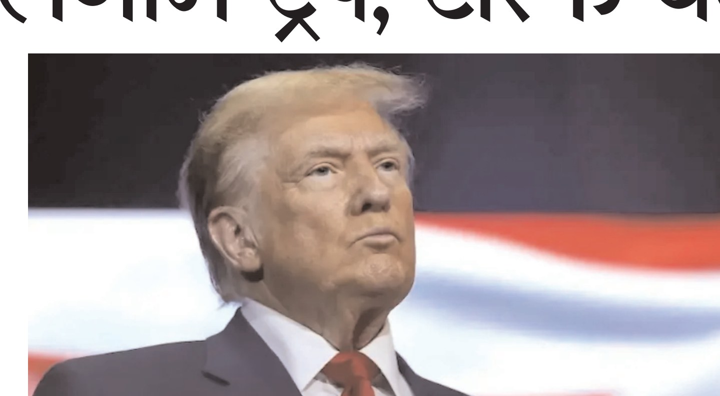

अपने साथ अमेरिका की भी फजीहत करा रहे हैं। यदि वे यह समझ रहे हैं कि उनके रवैये से उनकी या अमेरिका की साख बढ़ रही है तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। अमेरिका केवल अपनी साख ही नहीं गंवा रहा है, बल्कि एक ऐसे गैर जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में उभर रहा है, जो विश्व व्यवस्था को छिन्न-भिन्न कर दुनिया को अराजकता की ओर धकेल रहा है। इसके दुष्परिणाम अमेरिका को भी भोगने होंगे, क्योंकि विश्व के तमाम राष्ट्र उनसे तंग आ चुके हैं और यह एक तथ्य है कि आज अमेरिका उतना सशक्त नहीं, जितना पहले हुआ करता था। ट्रंप अपने अहं को पूरा करने के लिए जिस तरह अपने मित्र राष्ट्रों से भी बैर मोल ले रहे हैं, वह उन्हें महंगा पड़ सकता है, क्योंकि उनका मनमानापन विश्व के देशों को अमेरिका के खिलाफ एकजुट होने को मजबूर कर रहा है। यह बहुत दिनों तक संभव नहीं कि ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका तो मनमानी करे और विश्व से नियम-कानूनों के हिसाब से चलने की अपेक्षा करे। वे जिस तरह अस्थिरता फैला रहे हैं, उससे विश्व शांति ही नहीं, अर्थव्यवस्था भी खतरे में पड़ रही है। ट्रंप ने भारत पर पहले ही 50 प्रतिशत टैरिफ थोप रखा है। इसमें 25 प्रतिशत व्यापार समझौता न हो पाने और 25 प्रतिशत रूस से तेल खरीदने के कारण है। यदि वे और टैरिफ बढ़ाते हैं तो यह एक तरह से भारत पर पाबंदी लगाने जैसा होगा। यह ठीक है कि भारत को अमेरिकी सहयोग की आवश्यकता है, लेकिन उसे उसके अनुचित दबाव का प्रतिकार करना होगा। भारत को ट्रंप की शर्तों पर व्यापार समझौता करने से बचना होगा। भारत को यह भी आभास हो जाना चाहिए कि अमेरिका से व्यापार समझौता होने में और देरी हो सकती है। भारत को ट्रंप को उनकी भाषा में जवाब देने की जरूरत नहीं, लेकिन यह स्पष्ट करने में संकोच नहीं करना चाहिए कि वह उनके बेजा व्यवहार के समक्ष झुकने वाला नहीं।

भारत की प्रथम रोवर रेंजर जंबूरी में शामिल होने नवलगढ़ का रोवर दल रवाना

जयपुर टाइम्स

नवलगढ़(निस)। नवलगढ़ में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ के तत्वाधान में बाबा रामदेव ऑपन क्रू के नो रोवर प्रथम राष्ट्रीय जंबूरी बुदली छत्तीसगढ़ के लिए रवाना हो गए हैं। जंबूरी 9 से 13 जनवरी 2026 तक चलेगी। मंगलवार को रेलवे स्टेशन नवलगढ़ पर रोवर दल को शुभकामनाओं सहित विदा किया गया। जिला प्रधान गंगाधर सिंह सुंडा के नेतृत्व में रोवर्स को पुष्पाहार पहनाकर व मिठाई खिलाकर रवाना किया गया। विदाई देने वालों में संघ के प्रधान ओम प्रकाश सेन, पूर्व प्रधान डॉक्टर दयाशंकर जांगिड़, मुरली मनोहर चौबदार, लीडर ट्रेनर रामावतार सबलानिया, उप प्रधान पंकज शाह रेलवे के वाणिज्य कर अधिकारी ओम प्रकाश आर्य शामिल रहे। नवलगढ़ रोवर दल में कृष्ण कुमार सैनी, जगदीश प्रसाद बिस्सू ,गौरव सांखनीया, गणेश लाल गमेती, विष्णु सैनी,निखिल कुमार सैनी, सवाई राम, रोहित कुमार मीणा, लीडर महेंद्र कुमार सैनी रहे। नवलगढ़ स्टेशन से पांच रोवर व चार रोवर अगली स्टेशनो से शामिल होंगे।

विद्या मंदिर में अयोध्या प्रसाद स्वरूप श्रीराम प्रतिमा भेंट

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। श्री युवक सभा आदर्श विद्या मंदिर मंडावा के आचार्य हिमांशु जांगिड हाल ही में अयोध्या धाम के पावन भ्रमण से लौटे। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय के समस्त आचार्यों को भगवान श्रीराम की पावन प्रतिमा भेंट की। आचार्य हिमांशु ने बताया कि अयोध्या की आध्यात्मिक अनुभूति और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को सभी के साथ साझा करने के उद्देश्य से यह भेंट प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से ओतप्रोत रहा। विद्यालय परिवार की ओर से इस सद्भावपूर्ण व प्रेरणादायी पहल के लिए आचार्य हिमांशु का अभिनंदन किया गया।

लक्ष्मणगढ़ पुलिस थाने में पौष बड़ा महोत्सव आयोजित

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। पौष मास के पावन अवसर पर लक्ष्मणगढ़ पुलिस थाना परिसर में मंगलवार को पौष बड़ा महोत्सव का आयोजन धार्मिक श्रद्धा व उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन थाना अधिकारी राजाराम लेघा की अगुवाई में किया गया। इस अवसर पर थाना परिसर में स्थित भगवान बालाजी महाराज के मंदिर में विधिवत सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। सुंदरकांड पाठ के दौरान लक्ष्मणगढ़ थाना पुलिस के जवानों ने भी श्रद्धापूर्वक भाग लिया और धार्मिक वातावरण में भक्ति भाव से सुंदर कांड पाठ वाचन किया। पाठ संपन्न होने के बाद भगवान बालाजी महाराज को भोग अर्पित किया गया।इसके पश्चात थाना परिसर में उपस्थित पुलिसकर्मियों व श्रद्धालुओं को परंपरागत पौष बड़ा प्रसाद के रूप में वितरित किया गया।

5100 कलशों के साथ निकलेगी भव्य नशामुक्ति रैली

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। श्री मसानियां भैरव धाम राजगढ़ अजमेर के मनोकामना पूर्ण स्तंभ की 23वीं वर्ष गांठ के उपलक्ष्य में सुजानगढ़ में मुख्य उपासक चंपालाल महाराज का बुधवार को आगमन होगा। इस उपलक्ष में 5100 कलश के साथ मातृ शक्ति एवं नशामुक्ति रैली एन के स्टेडियम से रवाना होना होगी। गोपालपुरा की प्रशासक सविता राठी ने बताया कि रैली मुख्य बाजारों से होकर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। जहां प्रसिद्ध भजन गायक ओम मुंडेल, सुनीता स्वामी, राजकुमार स्वामी, पद्म श्री नाथूलाल सोलंकी की ओर से भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी मुख्य अतिथि होंगे। मंगलवार को सभा स्थल का गोपालपुरा प्रशासक सविता राठी, पूर्व सरपंच केसर सिंह राजियासर, अजय बुडानिया, सुरेश सेन, अजय, कैप्टन, गोपाल पारीक, सतीश सेन, पुष्पेंद्र चौहान, रामनिवास आदि ने जायजा लिया। सुजानगढ़ में नशा मुक्ति के इस भव्य कार्यक्रम को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। सुबह नौ बजे शुरू होने वाले जुलूस के स्वागत के लिए 51 स्वागत द्वार लगाए गए हैं और रणधीसर, भोजलाई, गेड़ाप, देवाणी, रामपुर, गोपालपुरा, पड़िहारा, लाडनूं, छापर सहित आस-पास के कस्बों से भी श्रद्धालु इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

आधी रात सड़क पर उतरे कलक्टर, खनन माफियाओ में मचा हड़कंप

37 वाहनों पर 9.23 लाख का जुर्माना, 6 ट्रक सीज

जयपुर टाइम्स

नावां शहर(निस)। सड़क सुरक्षा माह के तहत डीडवाना-कुचामन जिले में अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग के खिलाफ प्रशासन ने अब तक की सबसे सख्त और सनसनीखेज कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिला कलक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत के नेतृत्व में आधी रात तक चली इस विशेष मुहिम में 37 ओवरलोड वाहनों के चालान काटकर 9 लाख 23 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया, जबकि 6 वाहनों को मौके पर ही सीज कर दिया गया।

जब 'साहब' खुद सड़क पर उतरे:

अमूमन फाइलों और आदेशों तक सीमित रहने वाली कार्रवाई इस बार बिल्कुल अलग नजर आई। जिला कलक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत और अतिरिक्त जिला कलेक्टर

मोहनलाल खटनावलिया खुद छापरी टोल प्लाजा पर मोर्चा संभाले रहे। रात करीब 2 बजे तक कलक्टर की मौजूदगी में एक-एक वाहन का वजन, कागजात और परमिट जांचा गया। कलक्टर को अचानक सड़क पर देखकर ओवरलोड वाहन चालकों और माफियाओं में अफरा-तफरी मच गई। प्रशासन ने रणनीतिक तरीके से जिले के उन सभी मार्गों पर चेक-प्वाइंट लगाए, जहां से ओवरलोड वाहनों की आवाजाही की आशंका रहती है। छापरी टोल प्लाजा को मुख्य केंद्र बनाते हुए छोटी खाटू, निंबी जोधा, कोलिया, तवरा, लाडनूं रोड और रहमान गेट पर सघन जांच की गई।

5 हजार से 1 लाख तक के चालान:

जांच के दौरान नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की गई। ओवरलोडिंग की गंभीरता के आधार पर 5,000 रुपये से लेकर 1,00,000 रुपये तक के भारी-भरकम चालान काटे गए। प्रशासन, परिवहन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने स्पष्ट कर दिया कि अब चेतावनी नहीं, सीधे एक्शन होगा।

कलक्टर का सख्त संदेश:

डॉ. खड़गावत ने दो टूक कहा कि 'हमारा उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं है, बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना है। ओवरलोड वाहन सड़कों को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ जानलेवा दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण हैं। यह अभियान आगे भी पूरी सख्ती से जारी रहेगा।

लेकिन... नावां में अब भी बेखौफ अवैध परिवहन !

एक ओर जिला कलक्टर आधी रात तक सड़क पर उतरकर माफियाओं के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए हैं, वहीं दूसरी ओर नावां शहर में बजरी और मुरड़ के अवैध परिवहन का खेल रोजाना शाम होते ही धड़ल्ले से शुरू हो जाता है। कई बार समाचार प्रकाशित होने और शिकायतों के बावजूद, प्रशासनिक कार्यालयों के सामने से ही अवैध परिवहन बेखौफ गुजरता नजर आता है। यह विरोधाभास बड़ा सवाल खड़ा करता है—क्या आधी रात की सख्ती दिन ढलते ही ढीली पड़ जाती है? स्थानीय लोगों का कहना है कि जब तक नावां में नियमित और निरंतर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक अवैध परिवहन के इस गोरखधंधे पर पूरी तरह लगाम लगना मुश्किल है। अब देखना यह है कि कलक्टर की इस 'आधी रात वाली कार्रवाई' का असर सिर्फ एक रात तक सीमित रहता है या नावां में चल रहे रोज़ाना के अवैध खेल पर भी ब्रेक लगता है।

विधायक ने जेसीबी चलाकर किया सड़क नवीनीकरण का आगाज, चौंप में 50 लाख से सुधरेगी राह

विधानसभा में उठाया था मुद्दा, अब ख़ातियों की ढाणी से डोला की ढाणी तक 2.5 किमी सड़क का होगा कायाकल्प

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निस)। आमेर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत चौंप में विकास कार्यों को नई गति देते हुए विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा ने मंगलवार को बड़ी सौगात दी। विधायक शर्मा ने खातियों की ढाणी से डोला की ढाणी तक बनने वाली 2.5 किलोमीटर लंबी डामर सड़क के नवीनीकरण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। खास बात यह रही कि विधायक ने स्वयं जेसीबी चलाकर कार्य का शुभारंभ किया, जिसे देखकर ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त किया। करीब 50 लाख रुपए की लागत से बनने वाली यह सड़क सार्वजनिक निर्माण विभाग की देखरेख में तैयार होगी। इस दौरान आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए विधायक प्रशांत शर्मा ने कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचा मजबूत होना जरूरी है। हमारी प्राथमिकता है कि गांवों में शहरों जैसी सुविधाएं पहुंचें ताकि ग्रामीणों का जीवन सुगम हो। विधायक ने इस मौके पर अपनी विधायक निधि से क्षेत्र के अन्य विकास कार्यों के लिए 5 लाख रुपए की अतिरिक्त घोषणा भी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत समिति सदस्य कैलाश इंदौरा ने की। समारोह के दौरान आमेर प्रधान बद्रीनारायण बागड़ा, कालूराम बागड़ा, जिला परिषद सदस्य बन बिहारी मीणा, आशीष शर्मा, दामोदर बागड़ा और आशीष दौलतपुरा, सूरज गिलारिया, मुकेश खैरवाड़ी, पूर्व सरपंच रामेश्वर सैनी, गोपाल बुनकर, प्रेम देवी, मोतीलाल शर्मा, वार्ड पंच हीरा लाल सैनी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि खातियों की ढाणी से डोला की ढाणी तक की सड़क लंबे समय से जर्जर हाल में थी। ग्रामीणों की इस पीड़ा को देखते हुए विधायक प्रशांत शर्मा ने इस मुद्दे को विधानसभा में पुरजोर तरीके से उठाया था। बजट स्वीकृति के बाद अब कार्य शुरू होने से क्षेत्र के हजारों लोगों को आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिलेगी। पंचायत समिति सदस्य कैलाश इंदौरा सहित उपस्थित ग्रामीणों ने विधायक का इस कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।

देपुर-रघुनाथपुरा पंचायत भवन केरली तलाई में बनाने की मांग- ग्रामीणों ने तहसीलदार व कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

नावां शहर(निस)। नवगठित ग्राम पंचायत देपुर-रघुनाथपुरा के पंचायत भवन निर्माण स्थल को लेकर ग्रामीणों में असंतोष सामने आया है। इस संबंध में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पंचायत भवन का निर्माण केरली तलाई, देपुर में ही कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि केरली तलाई क्षेत्र भौगोलिक रूप से देपुर और रघुनाथपुरा दोनों गांवों के मध्य स्थित है। ऐसे में पंचायत भवन यहां बनाए जाने से दोनों गांवों के निवासियों को पंचायत से जुड़े कार्यों के लिए समान सुविधा मिलेगी और लोगों को आवागमन में कम दूरी तय करनी पड़ेगी। ज्ञापन में बताया गया कि केरली तलाई क्षेत्र में खसरा संख्या 294/17 के अंतर्गत 0.80 हेक्टेयर भूमि पहले से ही विद्यालय प्रयोजन के लिए आवंटित है। यहां स्थित राजीव गांधी पाठशाला का भवन वर्तमान में शैक्षणिक उपयोग में नहीं है। पंचायत भवन का निर्माण इसी परिसर में होने से इस राजकीय भवन व भूमि का सदुपयोग सुनिश्चित होगा और सरकार को नई भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी। ग्रामीणों ने प्रशासन का ध्यान इस ओर दिलाया कि जनसुविधा, भौगोलिक स्थिति और सरकारी संसाधनों के संरक्षण की दृष्टि से केरली तलाई पंचायत भवन के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। इससे पंचायत की योजनाओं एवं विकास कार्यों का संचालन भी सुचारु रूप से किया जा सकेगा। ज्ञापन देने वालों में पूर्व सरपंच मेघसिंह सहित गोरधन नेहरा, भंवर नेहरा, भंवरलाल मिल, मेवाराम मेघवाल, हरदेव मिल, हरदेव मुंड, गोबिंद सेन, भगीरथ मेघवाल, भोपालराम मेघवाल, भगवान ढाका, जगदीश मीणा, हीरालाल मीणा, मेवाराम लौरा, गोपालाल लौरा, दुर्गाराम मीणा, गोरुराम मेघवाल, राजू नेहरा, भिवाराम मिल, ओमप्रकाश नेहरा, हीराराम मिल तथा राजू जांगिड़ सहित अनेक ग्रामीण शामिल रहे। फिलहाल जिला प्रशासन ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले पर विचार करने और उचित निर्णय का आश्वासन दिया है।

रेनवाल प्रिमियम लीग के सभी खिलाड़ियों ने किए सांवरिया सेठ के दर्शन

जयपुर टाइम्स

सांगानेर(निस)। रेनवाल प्रीमियम लीग (आरपीएल) क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न होने के उपलक्ष्य के दोरान प्रतियोगिता के समापन अवसर पर समाजसेवी रामस्वरूप निठारवाल के विशेष सहयोग से सभी खिलाड़ियों, आयोजकों और युवाओं को सांवरिया सेठ के दर्शन कराए गए। दर्शन उपरांत सभी के लिए सांवरिया सेठ स्थल पर भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई, जिसमें खिलाड़ियों और उपस्थित जनों ने श्रद्धा भाव से प्रसादी ग्रहण की। रेनवाल प्रीमियम लीग में कुल 10 टीमों ने भाग लिया, जिसमें लगभग 200 युवाओं ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों में खेल भावना, अनुशासन और आपसी भाईचारे की मिसाल देखने को मिली। रोमांचक मुकाबलों और उत्कृष्ट प्रदर्शन ने दर्शकों को भी खूब आकर्षित किया। समापन समारोह में खिलाड़ियों ने समाजसेवी रामस्वरूप निठारवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से न केवल खेल प्रतियोगिता सफल रही, बल्कि धार्मिक और सामाजिक समरसता का भी सुंदर संदेश मिला। खिलाड़ियों ने बताया कि सांवरिया सेठ के दर्शन और सामूहिक प्रसादी ने सभी के मन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार किया। रामस्वरूप निठारवाल ने इस अवसर पर कहा कि युवाओं को खेलों से जोड़ना और उन्हें संस्कारों के साथ आगे बढ़ने के अवसर देना समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ अनुशासन और टीम भावना भी सिखाते हैं। समापन अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य, स्थानीय नागरिक व बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे। सभी ने सफल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की और भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों की निरंतरता की कामना की।

सरकारी अस्पतालों में नई व्यवस्था लागू

निशुल्क इलाज के लिए आभा आईडी जरूरी, पीएमओ ने उपजिला अस्पताल में जारी किए निर्देश

जयपुर टाइम्स

नावां शहर (निस)। सरकारी अस्पतालों में इलाज व्यवस्था को डिजिटल और सुव्यवस्थित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री निशुल्क निरोगी राजस्थान योजना के तहत अब मरीजों को मुफ्त इलाज का लाभ लेने के लिए आभा आईडी अनिवार्य कर दी गई है। उपजिला अस्पताल के पीएमओ राजवीर सिंह ने इस संबंध में सामान्य चिकित्सालय, महिला चिकित्सालय और शिशु चिकित्सालय के प्रभारियों को आदेश जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार ओपीडी में आने वाले हर मरीज की पर्ची अब केवल आभा आईडी के माध्यम से ही बनाई जाएगी। यह आदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और राजस्थान के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव के निर्देशों की अनुपालना में जारी किया गया है, जिसमें चिकित्सा संस्थानों में शत-प्रतिशत आभा युक्त ओपीडी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

जिनकी आभा आईडी नहीं, वहीं बनेगी:

अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिन मरीजों के पास आभा आईडी नहीं है, उनकी आईडी ओपीडी या आईपीडी पंजीकरण के दौरान ही बनाई जाएगी। इसके लिए मरीजों को आधार कार्ड या जनआधार कार्ड और मोबाइल फोन साथ लाना अनिवार्य होगा। इमरजेंसी मामलों को छोड़कर बिना आवश्यक दस्तावेजों के पर्ची जारी नहीं की जाएगी।

बाहरी राज्यों के मरीजों पर नियम लागू:

राजस्थान के बाहर से आने वाले मरीजों को निर्धारित शुल्क जमा कराना होगा और नियमानुसार शुल्क पर ही इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं अस्पताल परिसर में लगे क्यूआर कोड के माध्यम से टोकन जनरेट कर मरीजों को लंबी कतारों से बचाने के लिए जागरूक किया जाएगा। आभा आईडी यानी आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट के जरिए मरीज का पूरा मेडिकल रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगा। पुरानी पर्चियां, जांच रिपोर्ट और इलाज का विवरण मोबाइल पर आसानी से देखा जा सकेगा। मरीज अपनी सहमति से यह रिकॉर्ड डॉक्टर से साझा भी कर सकेंगे, जिससे इलाज में सहूलियत होगी।

आभा आईडी ऐसे बनाएं:

मरीज abha.abdm.gov.in वेबसाइट पर जाकर या आभा एप डाउनलोड कर आभा नंबर बना सकते हैं। आधार नंबर दर्ज कर ओटीपी सत्यापन के बाद आईडी तैयार हो जाती है। यदि घर से आईडी नहीं बन पाती है, तो अस्पताल काउंटर पर आधार या जनआधार और मोबाइल के माध्यम से बायोमेट्रिक या ओटीपी के जरिए तुरंत आभा आईडी बनाई जाएगी।

प्रस्तावित लवण नियम 2024 में राहत की मांग

साल्ट डेवलपमेंट एंड वेलफेयर सोसायटी ने राजस्व मंत्री विजय सिंह को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

नावांशहर(निस)। डिडवाना कुचामन जिले की पहचान माने जाने वाले नमक उद्योग नावां को लेकर साल्ट डेवलपमेंट एंड वेलफेयर सोसायटी, नावां ने राज्य सरकार से नियमों में राहत देने की मांग की है। सोसायटी अध्यक्ष दिनेश जांदू सहित सदस्यो ने राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी के सानिध्य में राजस्व मंत्री हेमंत मीणा को ज्ञापन सौपकर प्रस्तावित लवण नियम 2024 में नवीनीकरण से वंचित नमक इकाइयों को छूट देने का आग्रह किया गया है। ज्ञापन में बताया गया कि नावां क्षेत्र राजस्थान का प्रमुख नमक उत्पादन केंद्र है, जहां से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से लगभग एक लाख से अधिक श्रमिकों को रोजगार मिलता है। गुजरात के बाद देश में सर्वाधिक

नमक उत्पादन राजस्थान में होता है, जिसमें नावां का महत्वपूर्ण योगदान है। इसके बावजूद सरकारी अनदेखी के चलते नमक उद्योग धीरे-धीरे कमजोर होता जा रहा है। सोसायटी अध्यक्ष दिनेश जान्दू ने बताया कि वर्तमान में राजस्थान भू-राजस्व (लवण क्षेत्रों में भूमि आवंटन) नियम 2007 के तहत चार वर्ष से अधिक विलंबित इकाइयों के नवीनीकरण का कोई प्रावधान नहीं है। नियमों की जानकारी के अभाव में नावां क्षेत्र की करीब 200 से अधिक नमक इकाइयां नवीनीकरण से वंचित हो गई हैं, जिससे उनका उत्पादन कार्य बंद पड़ा है। ऐसे में उद्योग विभाग की ओर से राजस्व विभाग को भेजे गए प्रस्तावित लवण नियम 2024 की अधिसूचना शीघ्र जारी कर, नवीनीकरण से वंचित इकाइयों को कम से कम छह माह की विशेष छूट दिए जाने की मांग की गई है। इसके साथ ही ज्ञापन में नमक उत्पादन इकाइयों के भू-रूपांतरण व नामांतरण नहीं होने से आ रही समस्याओं की ओर ध्यान दिलाया गया। सोसायटी ने मांग की कि जिन कृषि भूमि को नमक उत्पादन इकाइयों में परिवर्तित किया गया है, उनका शीघ्र भू-रूपांतरण व लीजधारकों का नामांतरण किया जाए। सोसायटी ने यह भी बताया कि नमक उत्पादन क्षेत्रों का लंबे समय से नियमन नहीं हो पाने के कारण नई इकाइयां स्थापित नहीं हो पा रही हैं। नियमन प्रक्रिया शुरू होने से उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, इतनी बड़ी नमक मंडी होने के बावजूद नावां में नमक निरीक्षक कार्यालय नहीं होने से उद्यमियों को नागौर कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इसलिए नावां में ही नमक निरीक्षक कार्यालय खोलने की मांग भी की गई है।

सोसायटी सदस्यो ने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर नमक उद्योग को संबल प्रदान करेगी, जिससे यह उद्योग राज्य के आर्थिक व सामाजिक विकास में पुनः सशक्त भूमिका निभा सके। इस दौरान सोसाययी सचिव ललित माटोलिया, कोषाध्यक्ष रामप्रसाद कुमावत, रामेश्वर रणवा, कालूराम माली, बाबुलाल खाचरिया, सोसायटी प्रबंधक अरुण जोशी मोजूद रहे।

सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत जिला परिवहन कार्यालय, जयपुर द्वितीय (विद्याधर नगर) की ओर से सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राज्य सरकार व परिवहन व सड़क सुरक्षा विभाग, राजस्थान के निर्देशानुसार 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक चल रहे इस अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। जिला परिवहन अधिकारी अतुल कुमार शर्मा ने बताया कि अभियान के तहत सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें सड़क सुरक्षा व्याख्यान प्रमुख रहे, जिनमें हेलमेट व सीट बेल्ट के महत्व, गति नियंत्रण, लेन अनुशासन, मोबाइल का उपयोग न करने, नशे में वाहन न चलाने, ओवरलोडिंग से बचाव तथा वाहन फिटनेस और मेंटेनेंस जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। अभियान के दौरान क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय, जयपुर द्वितीय में सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई, जिसमें उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन ने यातायात नियमों की पालना का संकल्प लिया। इसके साथ ही वाहन चालकों के लिए नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिससे उनकी दृष्टि क्षमता सुनिश्चित की जा सके और दुर्घटनाओं की संभावनाएं कम हों। इसके अलावा दुर्घटना की स्थिति में प्राथमिक सहायता के महत्व को ध्यान में रखते हुए बीएलएस (बेसिक लाइफ सपोर्ट) प्रशिक्षण भी दिया गया। इस प्रशिक्षण में बताया गया कि दुर्घटना के बाद 'गोल्डन ऑवर' के दौरान प्राथमिक उपचार किस प्रकार जीवन रक्षक सिद्ध हो सकता है। प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में वाहन चालक और परिवहन विभाग के कार्मिक शामिल हुए। जिला परिवहन अधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की साझी जिम्मेदारी है। नियमित नेत्र जांच, सुरक्षित व जिम्मेदार ड्राइविंग, यातायात नियमों का पालन और प्राथमिक उपचार का ज्ञान दुर्घटनाओं में कमी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है अंत में आमजन व वाहन चालकों से अपील की गई कि वे हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन न चलाएं, नशे में ड्राइविंग से बचें और वाहन के सभी दस्तावेज व फिटनेस दुरुस्त रखें, ताकि सड़क सुरक्षा अभियान को सफल बनाया जा सके।

सड़क सुरक्षा जागरूकता: वाहन चालकों को दिलाई शपथ

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत परिवहन व सड़क सुरक्षा विभाग, राजस्थान के निर्देशानुसार क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, जयपुर द्वितीय (विद्याधर नगर) परिसर में सोमवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सचिव परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग शुचि त्यागी एवं आयुक्त परिवहन पुरुषोत्तम शर्मा के दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ। जिला परिवहन अधिकारी अतुल कुमार शर्मा ने बताया कि 1 से 31 जनवरी 2026 तक मनाए जा रहे सड़क सुरक्षा माह का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सुरक्षित एवं अनुशासित ड्राइविंग व्यवहार को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली जन-धन की हानि को रोकने के लिए विभाग जागरूकता, प्रशिक्षण और प्रवर्तन के माध्यम से निरंतर प्रभावी कार्रवाई कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें हेलमेट व सीट-बेल्ट का महत्व, गति नियंत्रण, लेन अनुशासन, मोबाइल का उपयोग न करने, नशे में वाहन न चलाने, ओवरलोडिंग से बचाव तथा वाहन फिटनेस व मेंटेनेंस जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। यह व्याख्यान निरीक्षक दिनेश सिंह, राजेश चौधरी एवं जिला परिवहन अधिकारी अतुल कुमार शर्मा की ओर से संयुक्त रूप से दिया गया। इसके अलावा क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार के नेतृत्व में उपस्थित प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। वाहन चालकों के लिए शंकरा आई हॉस्पिटल द्वारा नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित किया गया। वहीं, SMS ट्रॉमा सेंटर के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में बेसिक लाइफ सपोर्ट का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिससे दुर्घटना की स्थिति में 'गोल्डन ऑवर' के दौरान त्वरित प्राथमिक सहायता देकर जान बचाई जा सके। कार्यक्रम में ऑटो रिक्शा एवं ई-रिक्शा चालक बड़ी संख्या में शामिल हुए। अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक परिवहन से जुड़े चालक सड़क सुरक्षा में अहम भूमिका निभाते हैं, क्योंकि वे प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों की सुरक्षा से सीधे जुड़े रहते हैं अंत में जिला परिवहन अधिकारी ने आमजन एवं वाहन चालकों से अपील की कि वे हेलमेट व सीट-बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें, नशे में वाहन न चलाएं, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन न चलाएं, ओवरलोडिंग/ओवरस्पीडिंग से बचें तथा वाहन के वैध दस्तावेज व फिटनेस सुनिश्चित कर सड़क सुरक्षा अभियान को सफल बनाएं।

इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड में प्रिंस एकेडमी के विद्यार्थियों ने रचा इतिहास

जयपुर टाइम्स

सीकर (निस)। सीबीएसई इंग्लिश मीडियम स्कूल प्रिंस एकेडमी व पीसीपी प्री-फाउंडेशन के मेधावी विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड आईएमओ में शानदार सफलता अर्जित करते हुए कुल 75 पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इनमें 25 स्वर्ण, 26 रजत और 24 कांस्य पदक शामिल हैं।मैथमेटिक्स ओलंपियाड का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में गणितीय कौशल का विकास करना और उन्हें वैश्विक स्तर की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। प्रिंस एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का सुंदर परिणाम है। प्रिंस एकेडमी शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्ध है तथा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करती है। इस सफलता से न केवल विद्यालय बल्कि सम्पूर्ण सीकर जिले को गौरवान्वित होने का अवसर मिला है। इस अभूतपूर्व सफलता पर प्रिंस एजुहब के चेयरमैन डॉ. पीयूष सुण्डा, प्रबंध निदेशक एम. आर. अग्रवाल, प्रिंसिपल पूनम चौहान, समन्वयकों तथा शिक्षकों ने सभी पदक विजेताओं और उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी है।

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी और खर्रा आज कौशल रथ को दिखाएंगे हरी झंडी

जयपुर टाइम्स

सीकर(निस)। भारत सरकार के कौशल विकास व उद्यमिता मंत्रालय के तहत स्किल इंडिया कौशल -भारत, कुशल -भारत के अंतर्गत ग्रामीण महिला शिक्षण संस्थान सीकर के तत्वावधान में बुधवार को दोपहर 12 बजे ग्रामीण महिला शिक्षण संस्थान से केंद्रीय कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी व यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व विधायक चौधरी नारायण सिंह करेंगे। कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, ग्रामीण महिला शिक्षण संस्थान के पूर्व अध्यक्ष शिक्षाविद चैन सिंह आर्य विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचस्थ रहेंगे। इस अवसर पर ग्रामीण महिला शिक्षण संस्थान की अलग-अलग क्षेत्र की प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। ग्रामीण महिला शिक्षण संस्थान अध्यक्ष इंजीनियर झाबरमल सीगड़ ने बताया कि यह कौशल रथ ग्रामीण महिला शिक्षण संस्थानों की बालिकाओं को संचार उद्यमिता, वित्तीय और डिजिटल कौशल विकसित करने के लिए जागरूकता लाने का काम करेगा। उसके बाद यह रथ जिले के अन्य गांव में भी भेजा जाएगा जहां महिलाएं व आमजन को कौशल रथ संचार, उद्यमिता, वित्तीय और

डिजिटल कौशल में एक मजबूत नींव देगा है जो आज की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। स्पष्ट संचार, पैसे प्रबंधित करने, व्यवसाय शुरू करने और बढ़ाने, और डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने के बारे में जान सकेंगे। इन कौशलों का उपयोग करके अपने व्यक्तिगत और कार्य जीवन में अधिक प्रभावी बना सकते हैं। व्यक्तिगत और पेशेवर उपयोग के लिए बुनियादी डिजिटल कौशल को समझना; व्यक्तिगत वित्तीय योजना के लिए आवश्यक वित्तीय अवधारणाओं के बारे में जानना, उद्यमिता के मूल बातें और छोटे व्यवसाय शुरू करने के कदम को समझना, संचार के प्रमुख तत्व और इसकी प्रक्रियाएँ को जानना है।

श्रीराम कथा: नारद मोह, रामजन्म प्रसंगों का वर्णन सुनकर श्रद्धालु भावविभोर

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। फतेहपुर मार्ग स्थित गोयनका धर्मशाला में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के तीसरे दिन मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। कथा परिसर पूरे दिन भक्ति, श्रद्धा और आस्था के वातावरण से सराबोर रहा। इस दौरान नारद मोह और भगवान श्रीराम के जन्म की कथा सुनकर श्रोता भावविभोर हो गए।

कथावाचक संत धर्मदास महाराज (अयोध्या) ने तीसरे दिन श्रीराम कथा के महत्वपूर्ण प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने नारद मोह, जीव और प्रकृति का संबंध, भगवान की माया का रहस्य, श्रीराम जन्म के लिए नारद की ओर से दिया गया श्राप, कौशल्या और राजा दशरथ के पूर्व जन्म की कथा और दशरथ की ओर से किए गए पुत्रेष्टि यज्ञ का विस्तार से वर्णन किया। इसके बाद भगवान श्रीराम के जन्म की दिव्य लीला सुनाई गई, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के दौरान बीच-बीच में भजनों और 'जय श्रीराम' के उद्घोष से मंदिर परिसर गूंजता रहा। संत धर्मदास महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग, सत्य और कर्तव्य का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि प्रभु श्रीराम का जन्म केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि अधर्म के विनाश और धर्म की स्थापना के लिए हुआ था। आयोजन समिति के सुनील सोनी ने बताया कि यह नौ दिवसीय श्रीराम कथा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जा रही है। कथा का समापन 12 जनवरी को होगा। कथा के मुख्य यजमान विष्णु सोनी रहे जबकि भामाशाह चैन्नई प्रवासी उधोगपति रमेश गाड़ोदिया की ओर से प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम राजेंद्र शर्मा, मधुकर सीकर, सुभाष सोनी, शिवकुमार सोनी, कन्हैया लाल फतेहपुर, राकेश सोनी , महेश पाराशर , सुनील सोनी , अशोक सिंह , मनमोहन, बाबूलाल, योगेश भूतिया, बधाई लाल बियानी फतेहपुर, सुभाष सोनी फतेहपुर सहित अनेक भक्त उपस्थित रहे।

गोवंश की सुरक्षा के लिए मेथी के लड्डू वितरण अभियान शुरू

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। शहर में इधर-उधर घूमने वाले गोवंश को प्लास्टिक व अन्य हानिकारक पदार्थ खाने से होने वाले नुकसान से बचाने के उद्देश्य से भगवा रक्षा वाहिनी की ओर से मेथी के लड्डू वितरण अभियान की शुरुआत की गई है। संगठन के अध्यक्ष जयशंकर पुजारी ने बताया कि ये मेथी के लड्डू देसी दवाइयों के मिश्रण से विशेष रूप से तैयार किए गए हैं, जो गोवंश के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं। जयशंकर पुजारी ने बताया कि अक्सर गोवंश भोजन की तलाश में प्लास्टिक की थालियां और कचरा खा लेते हैं, जिससे उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो जाती हैं। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए संगठन ने यह पहल की है। भगवा रक्षा वाहिनी का लक्ष्य है कि लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में घूमने वाले सभी गोवंश तक ये मेथी के लड्डू पहुंचाए जाएं। अभियान की शुरुआत मंगलवार से की गई, जिसमें गोभक्तों की टीम ने शहर के विभिन्न स्थानों पर जाकर गोवंश को लड्डू खिलाने का कार्य शुरू किया। इस सेवा कार्य में भगवा रक्षा वाहिनी के कार्यकर्ता

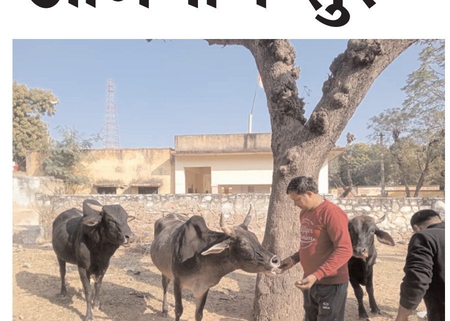

ताराचंद ठेकेदार सहित गौ भक्त विकास सैनी, विक्रम सैनी, शंभू दयाल सैनी, हिमांशु सैनी, आलोक बिजारणिया और मयंक सैनी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे सभी गोवंश तक यह सेवा पहुंचाएंगे। संगठन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे गोवंश की सुरक्षा और संरक्षण के लिए आगे आएं तथा प्लास्टिक के उपयोग से बचें, ताकि निराश्रित पशुओं को होने वाले नुकसान को रोका जा सके।

चूरू में शीतलहर ने छुडाई लोगों की धुजणी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले में शीतलहर और घने कोहरे का प्रकोप जारी है। मंगलवार को मौसम ने फिर करवट ली है और सुबह से ही कड़ाके की ठंड का शितम जारी है। पिछले दो दिनों से चूरू जिले में शीतलहर का प्रकोप लगातार जारी है, जिससे जनजीवन अत्यधिक प्रभावित हुआ

है। सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा, जिसके कारण सड़कों पर वाहनों की गति धीमी रही। कोहरे की दृश्यता 100 मीटर से भी कम दर्ज की गई। शीतलहर ने लोगों की धुजणी छुडाकर रख दी है। ठंड को देखते हुए जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार देर शाम कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों की 10 जनवरी और कक्षा 6 से 8 तक विद्यार्थियों की 7 जनवरी तक अवकाश के आदेश दिए। सभी शिक्षा अधिकारियों को इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा है। बता दें कि सुबह छाने वाला यह कोहरा खेतों में बारानी चने की फसल के लिए फायदेमंद माना जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में आगामी एक सप्ताह तक कोहरा छाए रहने की संभावना है। इसके साथ ही अगले दो-तीन दिनों में तापमान में और अधिक गिरावट आने की संभावना है। मंगलवार को पूरे दिन सूर्य देवता के दर्शन भी नहीं हुये। लोगों की रोजमर्रा की दिनचर्या भी काफी प्रभावित हुई। लोग दिनभर गर्म कपड़ों से लिपटे नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को अधिकतम तापमान 12.1 डिग्री व न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया।

भामाशाह खींची ने किया गर्म वस्त्रों का वितरण

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय चांद नगर में भामाशाह अब्दुल करीम खीची ने जरूरतमंद लोगों को सर्दी के मौसम मध्यनजर गरम इनर का वितरण किया गया। इस अवसर पर अब्दुल करीम खीची ने कहा कि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपने आस पास के जरूरतमन्द लोगों की मदद जरूर करनी चाहिए। क्योंकि मानवता की सेवा से बड़ा दूसरा कोई धर्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि भविष्य में सेवा कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि करीब 50 लोगों को शहर में इनर वितरण किया गया है। इस दौरान रोशन खींची, ओमप्रकाश पड़िहार, सज्जन कुमार, मौलाना लाल मोहम्मद, अजरूद्दीन सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के लिए सीएमएचओ ने अधिकारियों को दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। जिले में चिकित्सा व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर ने मंगलवार को ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक बुलाकर कर सुधार के निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ गुर्जर ने शीतलहर के चलते वार्डो में भर्ती मरीजों के लिए गर्म कम्बल, हीटर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही सर्दी रोकथाम के लिए खिड़कियों में पर्दे लगाने और टूटे खिड़की दरवाजों आदि को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। सीएमएचओ ने सभी प्रभारियों संस्थान पर शीत लहर के उपचार के लिए आवश्यक दवाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। साथ ही अस्पताल में शीतलहर से बचाव के उपाय बताकर जागरूक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि रेन बसेरों में टीम बनाकर भेजे और रेन बसेरों में रहने वालों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं उपलब्ध करवाए और उनकी लाइन लिस्ट अपने पास सुरक्षित रखे रिपोर्ट मुझे भिजवाए। सीएमएचओ डॉ गुर्जर ने बीसीएमओ को निर्देश दिए कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के पालना में भविष्य में पोस्टमॉर्टम और एमएलसी रिपोर्ट ऑनलाइन मेडलीपार पोर्टल के माध्यम से ही करवाए ऐसा नहीं करने वाले संस्थानों के प्रभारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने लाडो योजना में भुगतान में पेंडेंसी वालों ब्लॉक को चेतावनी देते हुए तत्काल टीम बनाकर लाभार्थियों के आवश्यक दस्तावेज जो डिलीवरी के समय उपलब्ध नहीं करवाए थे, उन्हें मंगवाकर भुगतान करवाए। टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग के टीम भेजकर सर्वे करवाए और कोई भी मरीज निक्षय पोषण किट से वंचित नहीं रहना चाहिए। सीएमएचओ ने निर्देश दिए कि ओपीडी में आने वाले मरीजों को आभा आई डी बनाने के लिए प्रेरित करें। बीसीएमओ अपने अधीन सभी संस्थाओं का बायोमेडिकल रजिस्ट्रेशन आवश्यक रूप से करवाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि दिव्यांग सर्टिफिकेट के लिए किसी दिव्यांग को परेशान न होना पड़े सीएचसी एस डी एच डीएच में इस संबंध में निर्देश देकर निगरानी करें। उन्होंने बीसीएमओ को अपने अधीन कण्डम भवनों को जमीदोश करवाने के निर्देश दिए। बैठक में आरसीएचओ डॉ दयानंद सिंह, डिप्टी सीएमएचओ बी एल सर्वा, डीटीओ विजय कुमार, सभी जिला अस्पताल व उप जिला अस्पताल पीएमओ व सभी बीसीएमओ मौजूद रहे।

एसकेआरएयू कुलगुरु ने किया कृषि विज्ञान केन्द्र,आबूसर और मंडावा कृषि महाविद्यालय का निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। एसकेआरएयू कुलगुरु प्रो राजेन्द्र बाबू दुबे ने मंगलवार को झुंझुनू के आबूसर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र तथा मंडावा स्थित रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान निदेशक अनुसंधान डॉ विजय प्रकाश आर्य व निदेशक प्रसार डॉ दीपाली धवन भी उपस्थित रहे। कुलगुरु ने केवीके पर हाल ही में विकसित बाग़वानी प्रदर्शन ब्लॉक का उद्घाटन किया। उन्होंने इस ब्लॉक में विकसित सभी बाग़वानी इकाइयों का भ्रमण किया और इनकी सराहना की। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रभारी डॉ दयानन्द तथा टीम ने फ़ार्म पर रबी फसलों के बीज उत्पादन कार्यक्रम की जानकारी दी। केन्द्र की ओर से गेहूं, जौ, चना ,सरसों एवं मेथी का गुणवत्तापूर्ण प्रजनक बीज, आधार बीज, प्रमाणित बीच एवं सत्य चिन्हित बीज के रिकॉर्ड उत्पादन किया गया है इस पर संतोष व्यक्त करते हुए कुल गुरु ने इसे और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। प्रभारी अधिकारी ने बताया कि रिकॉर्ड बीज उत्पादन तथा उससे अर्जित आय के कारण केंद्र को दो बार राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया जा चुका है। कुलगुरु ने केंद्र पर स्थापित विभिन्न प्रदर्शन इकाइयाँ जैसे फसल कैफेटेरिया, प्राकृतिक खेती इकाई, किण्वित जैविक खाद प्रक्षेत्र इकाई, वर्मी कम्पोस्ट इकाई व बेर बाग सहित सभी प्रदर्शन इकाइयों का भ्रमण किया।

रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय मंडावा का किया अवलोकन:

कुल गुरु ने रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मण्डावा का दौरा किया। उन्होने कृषि महाविद्यालय के नवनिर्मित भवन का अवलोकन करते हुए सभी प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय व कक्षाएं सुचारु रुप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि महाविद्यालय मे लैंडस्केप ओर वृक्षारोपण के साथ चारदीवारी और सडक का निर्माण जल्द से जल्द पूर्ण करने को कहा। कुल गुरु डॉ. दुबे ने कृषि महाविद्यालय के कार्मिकों से भी मुलाकात की। अधिष्ठाता डॉ. पी.सी. गुप्ता ने विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ.नरेन्द्र सिंह, डॉ. रवि कुमार मीणा व कृष्ण सिंह उपस्थित रहे।

जनभागीदारी से सेना दिवस परेड-2026 बनेगा शौर्य व पराक्रम का महोत्सव

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राज्य सरकार की ओर से जयपुर में सेना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में जनसहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आमजन को सेना दिवस परेड-2026 देखने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार सेना दिवस परेड के सफल, सुव्यवस्थित व सुरक्षित आयोजन के लिए सामान्य प्रशासन विभाग व जयपुर जिला प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। सामान्य प्रशासन विभाग व जयपुर जिला प्रशासन का निरंतर प्रयास है कि अधिक से अधिक संख्या में आमजन इस राष्ट्रीय गौरव के कार्यक्रम में सहभागिता कर भारतीय सेना के अद्भुत एवं अनुकरणीय प्रदर्शन को नजदीक से देख सकें। जगतपुरा (महल रोड), जयपुर में 9, 11, 13 एवं 15 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाली सेना दिवस परेड को लेकर नागरिकों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। अब आमजन स्वयं एवं अपने परिवार के साथ परेड अवलोकन हेतु ऑनलाइन पंजीकरण कर कार्यक्रम का साक्षी बन सकेंगे। सेना दिवस परेड देखने के इच्छुक नागरिक अपनी एसएसओ ID से लॉगिन कर सकते हैं। लॉगिन उपरांत Citizen App के अंतर्गत G2C श्रेणी में उपलब्ध Army Day Parade Registration विकल्प पर क्लिक कर मात्र दो कॉलम भरकर पंजीकरण किया जा सकता है। एक व्यक्ति अधिकतम दो पंजीकरण कर सकता है तथा ई-मित्र केंद्रों के माध्यम से भी पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है। पंजीकरण पूर्ण होने के पश्चात आवेदक को एसएमएस के माध्यम से पुष्टि संदेश प्राप्त होगा, जिसमें आवश्यक दिशा-निर्देश, रूट मैप एवं पार्किंग मैप की जानकारी भी उपलब्ध रहेगी। आवेदक अपनी सुविधा अनुसार यह भी चयन कर सकता है कि वह किस दिन की परेड देखना चाहता है। यह पंजीकरण सुविधा 06 जनवरी 2026 (सायं) से 14 जनवरी 2026 तक उपलब्ध रहेगी। परेड अवलोकन हेतु पंजीकृत नागरिकों को प्रातः 8.45 बजे तक परेड स्थल पर पहुँचना अनिवार्य होगा तथा परेड समाप्त होने से पूर्व स्थल छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। सुरक्षा कारणों से परेड स्थल पर ड्रोन, कैमरा, लेडीज पर्स, बैग, ज्वलनशील पदार्थ, पाउडर, नुकीली वस्तुएँ अथवा किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT HASAMPUR P.S. PATAN (SIKAR)

S.No. : 112 DATE : 02/01/2026

Notice Inviting Bid

Bid for Rate contract works undar Other Scheme are invited from intersted bidders upto Date 13.01.2026, 11:00 AM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in& http://eproc.raj.nic.in) of the state. The approximate value of work is maximum RS : 1000000

UBN No.PKP2526WSOB00259

PRASHASHAK
G.P. HASAMPUR

VDO
G.P. HASAMPUR

ऊपरमाल क्रिकेट प्रतियोगिता में बालाजी क्लब विजेता

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निस)। ऊपरमाल क्रिकेट कप सीजन-3 पंचायत स्तरीय प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में बालाजी क्लब बिजौलियां विजेता रही। मुख्य अतिथि प्रद्युम्न सिंह राणावत रहे। राणावत ने घोषणा की खेल को बढ़ावा देने लिए आने वाले समय में मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में एक खेलों के बड़े आयोजन करने का भी ऐलान किया। एडवोकेट सुमित जोशी, तूफ़ान यादव, जगदीश सांखला, विजय तिवाड़ी, कमलेश सेन, शंभु सांखला, जसवंत, मनीष धाकड़, पंकज धाकड़, सुनील धाकड़, गौरव शर्मा, दिनेश सिंह शक्तावत, अनिल खटीक व नरेश तंवर व आयोजक हेमन्त सिंह भदौरिया, कुणाल आर्य, फूलसिंह यादव, कमल नायक, अब्बास अली, अभिषेक यादव व बालाजी नवयुवक मंडल के सदस्य मौजूद रहे।

यूको बैंक के स्थापना दिवस पर बांटे कंबल

जयपुर टाइम्स

बिजौलियाँ(निस)। यूको बैंक के 84 वें स्थापना दिवस पर उपजिला चिकित्सालय में मरीजों को यूको बैंक शाखा बिजौलियां की तरफ से कम्बल वितरित किए गए। शाखा प्रबंधक तौहीद सिद्दीकी ने बताया कि यूको बैंक वर्ष 1943 से निरन्तर देश में वित्तीय सेवाएं प्रदान कर रहे यूको बैंक की देश में 3500 से ज़्यादा शाखाएँ मौजूद है। इस मौके पर उप प्रबंधक शुचि कोठारी,डॉ. अंसार खान, डॉ. अंजुम आरा, डॉ. मुकेश धाकड़, डॉ. मनीष सक्सेना, सुभाष मेवाड़ा, गोपाल लाल शर्मा,अशोक सोनी समेत चिकित्सा स्टाफ मौजूद रहा।

राजाखेड़ा में नहीं रूक रहे हैं ओवरलोड वाहन, हादसों को दे रहे निमंत्रण

जयपुर टाइम्स

धौलपुर/ राजाखेड़ा(निस)। कस्बे में वन विभाग की अनदेखी के चलते पेड़ो अंधाधुंध कटाई की जा रही है। जबकि स्थानीय प्रशासन व राज्य सरकार की ओर से करोड रुपए खर्च कर पौधरोपण कराया गया था। जबकि वन विभाग की अनदेखी के कारण हरे वृक्षों को काटकर ईट भट्टों पर लकड़ी ले जाते हुए दिखें जिन से झुकाई कर के ईट को पकाया जा रहा है। कस्बा राजाखेड़ा के अंदर शमशाबाद -आगरा बाई पास शमशाबाद राजाखेड़ा रोड पर ओवरलोड की भरमार रहती है। आखिर कैसे रुकेगी दुर्घटनाएं हर साल दर्जनों व्यक्ति जाते हैं। काल के गाल में चाहे वह थ्री व्हीलर ऑटो हो या ईंटों से भरा ट्रैक्टर हो चाहे ओवरलोड ट्रक हो इन बातों पर ले जाते हुए दौड़ते ही नजर आते हैं। सरकार की ओर से चलाए जा रहे 4 नवंबर से 18 नवंबर तक सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंदर वाहनो की जांच पर शिकंजा कसा है। जबकि पुलिस प्रशासन के कड़े रवैये के बाद भी वाहन खुले में सड़क पर दौड़ते हुए नजर आते हैं। प्रशासन से आस-आखिर हम कब तक सुधरेंगे जो बेरोकटोक धड़ले से दौडाए जा रहे है। यदि परिवहन विभाग की ओर से ओवरलोड वाहनों को चेक करना शुरू कर दिया जाए तो दुर्घटनाओं में काफी अंकुश लगाया जा सकता है क्या ज़िला परिवहन विभाग इन ओवरलोड वाहनों पर जांच कर शिकंजा करने की कार्रवाई करेगा जिससे दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके।

प्रांतीय अधिवशन में अग्रवाल समाज ने प्री वैडिंग पर रोक लगाने का लिया संकल्प

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी राजस्थान का प्रांतीय अधिवेशन व नव वर्ष मिलन समारोह का आयोजन खाटू नगरी खाटूश्याम में आयोजित किया गया जिसमे धौलपुर जिला अग्रवाल महासमिति धौलपुर के जिला अध्यक्ष ऋषि मित्तल के नेतृत्व मे जिला पदाधिकारियों सहित अन्य सदस्य शामिल हुए। प्रांतीय अधिवेशन व नववर्ष मिलन समारोह

कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग व विशिष्ट अतिथि नीमकाथाना विधायक सुरेश चद्र मोदी आदि ने शिरकत की। धौलपुर जिला अग्रवाल महासमिति के जिला अध्यक्ष ऋषि मित्तल, महामंत्री व प्रदेश कोषाध्यक्ष राजेश गर्ग जिला मंत्री मुकेश बंसल (कोर्ट) प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु कुमार, अग्रवाल समाज संस्थान के मंत्री मनोज अग्रवाल, प्रदेश युवा संगठन मंत्री अंकुर अग्रवाल,नगर युवा अध्यक्ष रजत अग्रवाल, पूर्व युवा जिलाध्यक्ष कमल किशोर,जिला मिडिया सह प्रभारी सोमेन्द्र मंगल, सौरभ सिंघल, राजकुमार अग्रवाल, अशोक सिंघल चंद्र मोहन अग्रवाल, ध्रुव अग्रवाल, सहित अन्य लोग कार्यक्रम मे शामिल हुए।

राजाखेड़ा रेन बसेरा में मूलभूत व्यवस्थाओं का अभाव

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजाखेड़ा के अंदर बने स्थाई रैन बसेरा में इस समय मूलभूत सुविधाओं का अभाव है जो के रेहन बसेरा के अंदर आने वाले व्यक्तियों को सुविधा पर्याप्त नहीं होती है। रेन बसेरा में कई साल पुराने 12 जोड़ी गद्दे और रजाई है जिनकी खस्ता हालत है व दो ही पलंग है और रेन बसेरा के अंदर पानी पीने की कोई व्यवस्था नहीं है जबकि वहां लगी जेट पंप का पानी खारी है तथा रेन बसेरा में आने वाले व्यक्तियों को जो रात्रि विश्राम करते हैं कोई चाय वगैरा की व्यवस्था भी नहीं होती है महिलाओं के लिए कोई अलग से कमरा उपलब्ध नहीं है। क्योंकि एक हाल के अलावा दो नंबर कमरे के अंदर शुरू से ताला ही पड़ा है एक कमरा स्टाफ के लिए एक कमरा स्टोर बना रखा है जिसमें गद्दे रजाई पड़े हुए हैं यदि रात्रि में 8:00 बजे उपरांत कोई भी व्यक्ति रहने बसेरा में आते हैं उनके लिए खाने-

पीने की कोई व्यवस्था नहीं है तथा कड़ाके की ठंड पढ़ने के कारण रैनबसेरा पर अलाब की कोई व्यवस्था नहीं है जहां पर सप्ताह में केवल एक दिन 10 किलो लकड़ी डाली जाती है क्या इस रेहन बसेरा की कार्रवाई या खर्चा केवल कागजों तक ही सीमित है जहां पर रेन बसेरा के अंदर दीवारों के प्लास्टर भी टूटे हुए दिखाई दे रहे हैं जिसमें गंदगी का आलम है जबकि राज सरकार की ओर से रेन बसेरा पर खर्च करने के लिए अलग से बजट दिया जाता है, क्या राजा खेड़ा नगर पालिका इस रहन बसेरा का पूर्ण रूप से संचालन करने की व्यवस्था करेंगे ताकि आने वाले महिला व पुरुषों को विश्राम के समय परेशानियों का सामना न करना पड़े।

मुस्लिम महासभा का दो दिवसीय स्थापना दिवस व कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। मुस्लिम महासभा के 19 वे स्थापना दिवस व शपथ ग्रहण समारोह और राष्ट्रीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन नेशनल रिसोर्ट चाकसू जयपुर में आयोजित किया गया। जिसमें कार्यक्रम की शुरुआत कुरान खाने से की गई और मुख्य अतिथि मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक एस के पठान रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहतरमा रेशमा सोलंकी व विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रभारी अमजद खान, राष्ट्रीय सचिव शकील खान व राजस्थान प्रदेश मुस्लिम महासभा के अध्यक्ष इकबाल भाई ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों की ओर से स्थापना दिवस के मुबारक मौके पर झंडा रोहण का कार्यक्रम व के काटकर स्थापना दिवस मनाया। इस मुबारक मौके पर समस्त अतिथियों का साफा व माला और प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में पधारे सभी पदाधिकारियो को सम्मानित किया गया। मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय सुरक्षा सिकंदर पठान ने संपूर्ण मुस्लिम महासभा के पदाधिकारी में से विशेष कार्य करने वालों का विशेष सम्मान किया। इस मुबारक मौके पर राष्ट्रीय सुरक्षा सिकंदर पठान ने कहा कि हम सबको मिलकर समाज के लिए काम करेंगे और समाज के विकास के लिए बात कही। राष्ट्रीय अध्यक्ष रेशमा सोलंकी ने कहा कि मुस्लिम महासभा हम

मंज़िल नहीं, रास्ता बनकर आए हैं, मुस्लिम महासभा है हम, इतिहास रचने आए हैं! न डर है, न झुकेंगे, सच के साथ खड़े हैं– मुट्ठी में हौसले हैं, तूफ़ानों से लड़े हैं। तालीम हमारा हथियार,?तंजीम हमारी ढाल– तिजारत से ताक़त पाई, तरक्की हमारा ख़याल!
जोश भी है, होश भी है, इंसाफ़ की पहचान भी– मुस्लिम महासभा बोली, हक़ की बुलंद आवाज़ भी! हम टूटे नहीं,?हम झुके नहीं– साजिशें आईं बहुत,?पर हम रुके नहीं। हर ज़िले में आवाज़ गूँजे, हर शहर बने मिशाल– मुस्लिम महासभा बोले, अब बदलेगा हाल। न कुर्सी का लालच, न ओहदे का नशा–?सेवा है इबादत हमारी,? यही है हमारा फ़लसफ़ा। जो साथ चले, वो अपना है जो हक़ बोले, वो सिपाही हमारा है! आज क़सम खाते हैं सब मिलकर, ये आवाज़ न थमेगी–?मुस्लिम महासभा की मशाल,? कभी न बुझेगी। एक नारा– तालीम! एक पहचान तंजीम! एक इरादा– तिजारत! एक मंज़िल–??तरक्की! कह दो ज़माने से हम आ चुके हैं। मुस्लिम महासभा है हम, और हम रुके नहीं हैं। राष्ट्रीय सचिव शकील करने सभा को संबोधित करते हुए कहा वक्ता ने संगठन के संघर्ष, एकता और भविष्य की दिशा पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा कि आज का यह दिन हम सभी के लिए सिर्फ़ जश्न का दिन नहीं है, बल्कि यह आत्ममंथन, संकल्प और संगठन को और मजबूत करने का दिन है। राष्ट्रीय प्रभारी अमजद खान ने कहा कि हम सब मिलकर संकल्प लें कि मुस्लिम महासभा को और मजबूत, और व्यापक, और जनहितकारी संगठन बनाएंगे।'

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल का कारावास

पीड़ित प्रतिकर के तहत 5 लाख रुपए देने के भी आदेश

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। धौलपुर जिले के विशेष न्यायालय पॉक्सो कोर्ट ने जिले के महिला पुलिस थाना पर साल 2024 में दर्ज हुए 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ जबरन दुष्कर्म करने के मामले में एक मुल्जिम को दोषी करार देते हुए उसे बीस वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई हैं। साथ ही कोर्ट ने पीड़ित प्रतिकार स्कीम के तहत पीड़िता को पांच लाख रुपए दिलाए जाने के भी आदेश दिए हैं। विशेष न्यायालय पॉक्सो कोर्ट के विशिष्ट लोक अभियोजक संतोष मिश्रा ने बताया कि धौलपुर जिले के महिला पुलिस थाना पर एक परिवादी ने 13 सितम्बर 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसमे उसने बताया कि उसकी 14 वर्षीय भतीजी कक्षा दसवीं में पढ़ रही थी और 11 सितम्बर 2024 को वह कोचिंग पढ़ने गई हुई थी। जब वह कोचिंग से घर नहीं लौटी तो उसे तलाश किया गया तो वह देर शाम साढ़े सात बजे रोती हुई घर आई। पीड़िता ने घर आकर परिजनों को बताया कि वह कोचिंग से पढ़कर घर आ रही थी तो रास्ते में सलमान उर्फ़ लवेडू उसे जबरन पकड़ कर और जान से मारने की धमकी देकर एक सुनसान मकान में ले गया। जहां आरोपी सलमान ने जबरन दुष्कर्म किया। महिला पुलिस थाना ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया और नाबालिग छात्रा का रेप संबंधी मेडीकल करा कर कोर्ट में बयान दर्ज कराए गए। अनुसन्धान के दौरान मामला दुष्कर्म का पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी सलमान को गिरफ्तार कर पॉक्सो कोर्ट में 19 सितम्बर 2024 को पेश किया। मुल्जिम सलमान न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा हैं। मामले में लोक अभियोजक मिश्रा ने कोर्ट में 14 गवाह पेश कर दस्तावेजों को साबित कराया। प्रकरण में न्यायाधीश राजकुमार ने दोनों पक्षों की बहस और लोक अभियोजक की दलील सुनने के बाद मंगलवार को मुल्जिम 19 वर्षीय सलमान पुत्र इलियास निवासी पटपरा पुराना शहर धौलपुर को दोषी करार देते हुए बीस वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई हैं,साथ ही मुल्जिम को साढ़े 6 हजार रूपये के अर्थ दंड से दण्डित किया हैं। विशिष्ट लोक अभियोजक संतोष मिश्रा ने बताया कि पॉक्सो कोर्ट ने पीड़ित प्रतिकार स्कीम के तहत पीड़िता को पांच लाख रुपए दिलाए जाने के भी आदेश दिए हैं।

भामाशाह दंपति के सहयोग से विद्यार्थियों को ऊनी वस्त्र वितरित

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले के राजकीय प्राथमिक विद्यालय झोर में बुधवार को भामाशाह दंपत्ति सुरेशचंद्र व कुसुम देवी की ओर से स्कूली छात्र-छात्राओं को निःशुल्क ऊनी वस्त्र वितरित किए गए। प्रधानाध्यापक विमलेश सिंघल की प्रेरणा से आयोजित इस सेवा कार्य में बच्चों को स्वेटर, जैकेट, टोपा, मोजे सहित अन्य ऊनी कपड़े प्रदान किए गए। ऊनी वस्त्र पाकर नौनिहालों के चेहरे खुशी से खिल उठे। प्रधानाध्यापक विमलेश सिंघल ने बताया कि धौलपुर शहर निवासी भामाशाह सुरेशचंद्र ठेकेदार व उनकी धर्मपत्नी कुसुम देवी के साथ समाजसेवी हरेंद्र गोयल के सहयोग से लगभग 100 बच्चों को सर्दी से बचाव के लिए ऊनी कपड़े वितरित किए गए। इस मानवीय पहल से जरूरतमंद बच्चों को ठंड से राहत मिली है।

राजाखेड़ा में सात महीने पूर्व टूटे नाले का निर्माण कार्य शुरू

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजाखेड़ा के अंदर आदर्श नगर बस्ती के बीचों बीच बने हुए नाले का का निर्माण कार्य शुरू हुआ यह नाला करीबन 7 महीने पूर्व टूटा हुआ था जिसकी नगर पालिका द्वारा दिसंबर के अंत में ली गई है जो की नाले अभी भी बनने में काफी समय लगेगा। इस नाले को मई जून के 2025 महीने में बरसात पूर्व सफाई के लिए खोला गया था जिससे नाले की

अंदर बनी दोनों साइड की दीवार धरा साही हो गई थी। इस नाले पर सफाई के नाम पर कभी निर्माण के नाम पर लाखों रुपए प्रति वर्ष खर्च किया जाता रहा है। यदि एक बार भी यह नाला अच्छी तरह से निर्माण कर दिया जाए तो प्रतिवर्ष खर्च होने वाले सरकार के लाखों रुपए की बचत हो सकती है। इस नाले से टूटने के कारण आवागमन करने वाले व्यक्तियों को जान माल का पूरा-पूरा खतरा रहता था पूर्व में नाले के निर्माण को लेकर कई बार समाचार प्रकाशित हुए थे। यह नाले वाला रास्ता राजाखेड़ा पुलिस स्टेशन थाने से लेकर बायपास रोड को क्रॉस करते हुए एम जे एम कोर्ट राजाखेड़ा न्यायालय व राजाखेड़ा वार्ड नंबर 35 को जोड़ते हुए उत्तर प्रदेश की सीमा के लिए जाता है राजाखेड़ा नगर पालिका समय-समय पर नल की गुणवत्ता की जांच करें निर्माण हो सके आवा आवागमन करने वालौ को कोई परेशानी ना हो।

नाम परिवर्तन

मै श्रवण कुमार गोदारा पुत्र भंवरलाल जाट निवासी सवाई बड़ी सरदारशहर मेरी पुत्री का नाम गीता हैं। मेरी पुत्री की लग्न कुंडली के अनुसार शोभिता नाम परिवर्तन किया गया हैं। भविष्य में मेरी पुत्री को शोभिता नाम से जाना व पहचान जाये।

पता
श्रवण कुमार गोदारा पुत्र भंवरलाल जाट
निवासी - सवाई बड़ी सरदारशहर चूरू राजस्थान

भाग 1 (ख)
महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञाये ।
सार्वजनिक निर्माण विभाग (पथ) राजस्थान जयपुर
प्रारंभिक अधिसूचना
अन्तर्गत भूमि अर्जन, पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और (पारदर्शिता अधिकार अधिनियम)
(RFCTLARR ACT - 2013 के अनुभाग - 11 के अनुसार)

Rajkaj No 19520043 प्राधिकृत अधिकारी, भूमि अवाप्ति जयपुर जिले के उपखण्ड क्षेत्र दूदू में (1) ग्राम साखून में बाईपास निर्माण कार्य (किमी 5.00) में सक्षम प्राधिकारी (भूमि आवाप्ति) एवं उपखण्ड अधिकारी दूदू को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजन के लिऐ पटवार मण्डल साखून तहसील दूदू जिला जयपुर में ग्राम साखून में 7.4365 हैक्टेयर निजी भूमि की आवश्यकता है ग्राम साखून में बाईपास निर्माण कार्य (5 किमी) निर्माण कार्य के दौरान भूमि अवाप्ति के हेतु परिवर्तित बजट वर्ष 2025-26 की सैद्धान्तिक सहमति संयुक्त सचिव (पथ) सार्वजनिक निर्माण विभाग, राज0 जयपुर के पत्रांक एफ. 7 (324) / एएण्डएफ / अनु-2/2024-25 / डी-2304 दिनांक 26/03/2025 द्वारा राषि रू. 14.50 करोड़ बजट वर्ष 2025-26 की घोषणा संख्या 172.73 / 2025-26 की सैद्धान्तिक सहमति प्राप्त हुई है (2) Construction work 02 lane Road for Approach of New Sakhoon DFCCIL Station (2.30 किमी) 2.7656 हैक्टेयर निजी भूमि की आवश्यकता है निर्माण कार्य के दौरान भूमि अवाप्ति हेतु परिवर्तित वजट वर्ष 2024-25 की घोषणा सख्या 28.6 / 2024-25 के तहत वित्तीय स्वीकृति श्रीमान् संयुक्त सचिव (पथ) सार्वजनिक निर्माण विभाग, राज0 जयपुर के पत्रांक एफ.7 (324) / एएण्डएफ / अनु-2 / 2024-25 / डी-1533 दिनांक 25/12/2024 द्वारा राषि रु.8.00 करोड़ की स्वीकृति प्राप्त हुई हैं। उक्त दोनो कार्यों के लिए कुल निजी भूमि आवाप्ति क्षेत्रफल 10.2021 हैक्टेयर भूमि की आवश्यकता है। 'सामाजिक प्रभाव आंकलन SIA कमेटी द्वारा किया गया था और एक रिपोर्ट प्रस्तुत / प्रारंभिक जांच सक्षम प्राधिकारी (भूमि आवाप्ति) एवं उपखण्ड अधिकारी के कमांक 830 दिनांक 11.12.2025 द्वारा सामाजिक प्रभाव आंकलन रिपोर्ट / प्रारंभिक जांच का सारांश इस प्रकार है ।
नोटः- SIA यहां RFCTALRR ACT 2013 के खण्ड 17 के अनुसार बैठक में दोनों स्थानों पर सर्वसहमति से भूमि अवाप्ति की सहमति दी गई ।

(प्रकाश चन्द)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड, दूदू
DIPR/C/144/2025

राजस्थान सरकार
सार्वजनिक निर्माण विभाग
महत्वपूर्ण सरकारी आजायें
प्रपत्र- 7
(अतर्गत भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनव्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदशिता अधिकार अधिनियम, 2013 (2013 का अधिनियम सख्या 30) की धारा 11(1) एव राजस्थान नियम 16 (1))
प्रारंभिक अधिसूचना

क्रमांक संख्या　　　　दिनांक

चूंकि ऐसा प्रतीत होता है कि लोक प्रयोजन के लिए राजस्थान राज्य के जयपुर जिले में डीएफसीसीआईएल फ्रेट टर्मिनल (गति शक्ति कार्गो टर्मिनल) बधाल लालासर गांव एमडीआर-81 से मण्ड-रिको, ब्लाक गोविन्दगढ़ हेतु 1.60 किमी. सड़क के निर्माण के लिए कुल 7.7507 हैक्टेयर भूमि अपेक्षित है। सामाजिक समाघात मूल्याकन अध्ययन (एसआईए) का कार्य मेसर्स थोट कंसल्टेंट्स, जयपुर प्रा.लि. द्वारा किया गया था। एस.आई.ए. अध्ययन की रिपोर्ट का मूल्यांकन नियम 16 के अन्तर्गत सरकार द्वारा गठित बहुउद्देशीय कमेटी द्वारा किया गया जिसे सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया था।
1. अधिसूचित भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन और पुनव्यवस्थापन अधिनियम 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013) मै उचित क्षतिपूर्ति और पारदर्शिता के अधिकार की धारा 11(1) के तहत की गई है।
2. राज्य सरकार उन समस्त अधिकारीयों को, जिनका इससे संबंध है, को ईलाके में किसी भी भूमि का सर्वे, नाप व लेवल के लिए प्रवेश करने, भूमि के नीचे मिट्टी की जांच के लिए बोर करने या परियोजना के क्रियान्वयन व उचित निर्माण के लिए अधिनियम की धारा 12 के अन्तर्गत वर्णित प्रावधानों के अनुसार प्राधिकृत किया जाता है।
3. भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन और पुनव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11(4) के अनुसार कोई भी व्यक्ति ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख पर अधिनियम के अधीन कार्यवाहियों को पूरा हो जाने के समय तक प्रारम्भिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का भूमि अवाप्ति अधिकारी (उपखण्ड अधिकारी) किशनगढ़ रेनवाल, जिला-जयपुर की अनुमति के बिना कोई संव्यवहार नहीं करेगा या कोई संव्यवहार कराएगा अथवा ऐसी भूमि पर कोई विल्लंगम सृजित नहीं करेगा।
4. उपरोक्त भूमि में कोई भी हितबद्ध व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिवस के भीतर अधिनियम की धारा 15 के अन्तर्गत अधिग्रहण के संबंध में आपत्ति भूमि अवाप्ति अधिकारी (उपखण्ड अधिकारी) किशनगढ़ रेनवाल, जिला- जयपुर के समक्ष प्रस्तुत कर सकेगा।

विवरण

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-फुलेरा, जिला- जयपुर (राज.)

राजस्थान राज्य के जयपुर जिले में डीएफसीसीआईएल फ्रेट टर्मिनल (गति शक्ति कार्गो टर्मिनल) बधाल लालासर गांव एमडीआर-81 से मण्ड-रिको, ब्लॉक गोविन्दगढ़ हेतु 1.60 किमी. सड़क के निर्माण के लिए कुल 7.7507 हेक्टेयर भूमि की अवाप्ति हेतु धारा-11 एवं धारा-12 की कार्यवाही बाबत प्रस्ताव

DIPR/C/137/2025
संयुक्त सचिव (पथ)
सार्वजनिक निर्माण विभाग

	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
सत्यमेव जयते	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	माघ 26, शनिवार, शाके 1946 - फरवरी 15, 2025 Magha 26, Saturday, Saka 1946 - February 15, 2025	

भाग-1 (ख)
महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।
सार्वजनिक निर्माण विभाग (पथ) राजस्थान, जयपुर
(वृत चूरू)
अधिसूचना
चूरू, फरवरी 06, 2025
(अन्तर्गत भूमि अर्जन, पुनर्वासन, पुर्नव्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4 (1))

राजकाज नम्बर 13404285 :-राजस्थान के राज्यपाल द्वारा भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शित अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4 (1) के तहत राजस्थान भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार नियम 2016 के प्रावधानुसार एवं राजस्थान सरकार के राजस्व (ग्रप - 6) विभाग के परिपत्र क्रमांक पं. 1 (150) राज-6/2016/02 दिनांक 27.01.2027 के निर्देशानुसार केन्द्रिय सड़क एवं आधारभूत संरचना निधि (सी.आर.आई.एफ.) की परियोयना सेतु बंधन के अन्तर्गत स्वीकृत मोलीसर रतनगढ़ रेलवे स्टेशन (312/0-1) के मध्य आयुबी रतनगढ़ (चूरू) का निर्माण कार्य विकसित किये जाने के प्रयोजन से जिला चूरू की तहसील रतनगढ़ में निम्नानुसार प्रस्तावित गांव में भूमि अर्जन प्रस्तावित है:-

क. स.	जिला	तहसील	राजस्व - ग्राम / नगर का नाम
1	2	3	4
1	चूरू	रतनगढ़	खारिया, हरिपुरा

परियोजना हेतु नियमानुसार सामाजिक समाघात निर्धारित हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग सामाजिक आर्थिक विकास समिति, अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड, रतनगढ़ जिला चूरू (राजस्थान) एजेंसी का चयन किया जाना है। उपरोक्त चयनित संस्था द्वारा परियोजना हेतु प्रस्थावित भू-अर्जन से प्रभावित ग्राम में सामाजिक समाघात निर्धारण राजस्थान भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिकार नियम 2016 के प्रावधानुसार किया जायेगा। सामाजिक समाघात निर्धारण की प्रक्रिया निम्नानुसार होगी:-
1. संस्था द्वारा परियोजना हेतु प्रस्थावित ग्राम भू-अर्जन से प्रभावित व्यक्तियों का विवरण तैयार कर सामाजिक समाघात निर्धारण की प्रारूप रिपोर्ट तैयार की जायेगी।
2. प्रारूप रिपोर्ट की प्रति प्रभावित ग्राम में समचित सभा तत्पश्चात प्रभावित ग्राम में प्रर्याप्त प्रचार प्रसार के उपरान्त जानी जावेगी, जिसका कार्यवाही विवरण समुचित रूप से रिकार्ड किया जायेगा।
3. जन सुनवाई के दौरान आये सुझावों / आपतियों के समुचित समाधान को शामिल कर सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट एवं सामाजिक समाधन प्रबन्ध योजना तैयार की जावेगी।

9812　　**राजस्थान राज-पत्र, फरवरी 15 2025**　　**भाग 1 (ख) 4.**

4. सामाजिक समाघात निर्धारण की प्रकिया प्रभावित ग्राम में सम्बन्धित ग्राम पंचायत, नगर परिषद, नगर पालिका के परामर्श में की जावेगी ।
5. सार्वजनिक निर्माण विभाग माध्यम के तहत विकसित किये जाने वाली परियोजनाओं हेतु अधिनियम की धारा $2^{1/4}2^{1/2\,1/4}ii^{1/2}$ के प्रावधानुसार प्रभावित परवारों की सहमति आवयश्क होगी।
6. सामाजिक समाघात मूल्यांकन के दौरान किसी भी प्रकार के बल प्रयोग या धमकी का प्रयत्न इस कवायद का अकृत और शून्य बना देगा
7. सामाजिक समाघात निर्धारण प्रक्रिया को इस अधिसूचना की तिथि से अधिकतम 6 माह अवधि से पूर्व सम्पूर्ण कराया जाना आवश्यक है।
सम्पर्क सूत्रः-

सामाजिक समाघात निर्धारण ईकाई कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड रतनगढ़ जिला चूरू	सामाजिक समाघात निर्धारण एजेन्सी सा.नि.वि. उपखण्ड रतनगढ़ मोः-
अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड रतनगढ़ जिला चूरू मोः-	भूमि अवाप्ति अधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी रतनगढ़

संयुक्त सचिव (पथ) सार्वजनिक
निर्माण विभाग
राजस्थान जयपुर
राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।
DIPR/C/89/2025

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार
7 जनवरी, 2026

तारानगर में तेंदुआ दिखने से हड़कंप, सर्च अभियान शुरू

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस))। शहर में सोमवार देर रात्रि के समय तेंदुआ दिखाई देने से इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। तेंदुए की मौजूदगी का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फुटेज में तेंदुआ शहर की गलियों में घूमता नजर आ रहा है, जिससे लोगों में डर और सतर्कता दोनों बढ़ गई हैं। सीसीटीवी सूचना मिलने पर चूरू उप वन सरंक्षक भवानीसिँह के निर्देशन में क्षेत्रीय वन अधिकारी सुरेन्द्र सिह, सहायक वनपाल राजेंद्रसिह, वनरक्षक सुनील बागड़ी सहित वन विभाग की टीम ने तुरंत सर्च अभियान शुरू कर दिया, संभावित इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई और तेंदुए की लोकेशन ट्रैक करने के प्रयास किए गए वहीं शहर के लोग भी एक-दूसरे को सोशल मीडिया और मैसेज के जरिए सतर्क रहने की अपील की। कई मोहल्लों में लोगों ने रात में बाहर निकलने से बचने और बच्चों को घर के अंदर रखने की सलाह दी। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी तेंदुए की गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस या वन विभाग को सूचना दें और स्वयं किसी प्रकार का जोखिम न उठाएं। प्रशासन ने यह भी कहा है कि अफवाहों से बचें और केवल आधिकारिक सूचना पर ही भरोसा करें। क्षेत्रीय वन अधिकारी सुरेन्द्र सिह ने बताया कि वन विभाग की टीम की ओर से पद चिन्हो के आधार तेंदुए की तलाश जारी है और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

65 चरखी प्लास्टिक मांझा किया जप्त

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। प्रशासन, पुलिस और नगर परिषद की संयुक्त टीम ने मंगलवार को शहर में कई जगह पतंग डोर की दुकानों पर छापा मारते हुए 65 चरखी प्लास्टिक मांझे की जप्त की। टीम के अचानक निकलने पर पतंग व्यापारियों में हड़कंप मच गया। टीम ने नया बाजार, स्टेशन रोड, पुलिया, भोजलाई रोड सहित कई क्षेत्रों में छापेमारी की। इस दौरान भरतिया स्टोर और मोदी स्टोर से प्लास्टिक मांझा जप्त किया। बाद में इस मांझे को जलाकर नष्ट कर दिया गया। तहसीलदार गिरधारीलाल पारीक ने कहा कि प्रशासन की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की है। मकर संक्रांति तक लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई में कोतवाली सीआई बेगाराम, नगरपरिषद के कार्यवाहक आयुक्त विक्रम जोरवाल, जेईएन कमलेश कुमार, एसआई ओमप्रकाश स्वामी, जमादार नितेश, शिवभगवान, रणजीत आदि शामिल रहे।

सड़क सुरक्षा को लेकर निकाली जागरूकता रैली

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सडक सुरक्षा को लेकर पंचायत समिति से जागरूकता बाईक रैली निकाली गई। रैली को उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान डीटीओ बजरंगलाल खीचड़, डीएसपी ओमप्रकाश वर्मा और डीटीओ कार्यालय के इंस्पेक्टर और स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा ने जनता से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। रैली शहर के मुख्य मार्गों से निकली और लोगों को सड़क सुरक्षा के लिए बाईक पर हेलमेट लगाने और कार में सीट बेल्ट का प्रयोग करने और यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया।

पट्टा पत्रावलियों में समय पर पटवारी रिपोर्ट की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। भाजपा पार्षद पंकज घासोलिया ने तहसीलदार गिरधारीलाल पारीक को एक ज्ञापन सौंपकर पटवारी रिपोर्ट के चलते पट्टे की पत्रावलियों में हो रही देरी की समस्या का समाधान किए जाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि नगर परिषद की पट्टा फाइलें तहसील कार्यालय में अनावश्यक रूप से लंबित पड़ी हैं। ज्ञापन में बताया गया है कि फाइलों में नगर परिषद के विधिक सलाहकार की रिपोर्ट लग चुकी है और दस्तावेजों का पूर्ण मूल्यांकन भी किया जा चुका है। विधिक सलाहकार की सकारात्मक रिपोर्ट के बाद तकनीकी रूप से इन फाइलों में अब कोई भी कमी शेष नहीं रहती है, जिससे यह स्पष्ट है कि पट्टा जारी करने की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। विधिक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ये फाइलें अंतिम पटवारी रिपोर्ट के लिए तहसील में भेजी जाती हैं, लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि फाइलें तहसील कार्यालय में पहुंचने के बाद भी समय पर पटवारी की रिपोर्ट दर्ज नहीं की जा रही है। अतः जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करवाकर पट्टों का इंतजार कर रहे लोगों को राहत प्रदान की जाए। ज्ञापन में मांग की गई है कि तहसील कार्यालय व पटवारी के पास लंबित इन सभी पट्टा फाइलों की तुरंत समीक्षा की जाए और संबंधित पटवारी भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए पाबंद किया जाए, ताकि पट्टा जारी होने की प्रक्रिया बाधित न हो। ज्ञापन सौंपने के दौरान भाजपा नेता विजयसिंह बोरड भी मौजूद रहे।

कोहरे और शीत लहर से कांपा अंचल थमी वाहनों की रफ्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उत्तरी हवाओं की बदोलत सोमवार देर रात से ही कड़ाके की ठंड का असर रहा। तापमान में फेरबदल होने से कोहरा आने से किसानों के लिए कोहरा वरदान साबित होगा। खेतों में खड़ी फसलों में कोहरे के कारण फसलों में जान वापस आ गई। जिससे किसानों के चेहरे पर खुशी देखी जा रही है। इस बार दिसंबर में बरसात नहीं होने से खेतों में खड़ी फसलें मुरझाने लगी थी। अब हुई बारिश के बाद दो दिनों से कोहरा आने के बाद फिर से फसलों में जान आनी शुरू हो गई। मंगलवार को सरदारशहर तहसील क्षेत्र में दिन की शुरूआत घने कोहरे और सर्द हवाओं के साथ हुई। जिससे अंचल में सर्दी के तेवर फिर से तीखे होते दिख रहे है। कोहरे के साथ उत्तरी सर्द हवाओं ने भी जोर पकड रखा है। पेडों की पत्तियों पर ओस की बुंदे जमी नजर आयी। लोग जगह–जगह अलाव तापकर सर्दी भगाते देखे गये। कोहरे के बढे घनत्व के चलते जयपुर गंगानगर हाईवे पर वाहन चालकों को दिन में भी लाईट जलानी पडी और परेशानी का सामना करना पडा। वहीं बड़े वाहन सड़क किनारे खड़े होकर कोहरा छंटने का इंतजार करते हुए नजर आ रहे थे। कोहरे का असर आमजन के अलावा पशुओं पर भी पड़ रहा है। जहां पर भी अलाव दिखता है पशु भी उसके पास जाकर खड़े हो जाते है और अलाव का सहारा लेकर सर्दी से बचने का प्रयास करते है। सर्दी के कारण आमजन के रोजमर्रा के काम भी प्रभावित हुए है। शहर के सुरेंद्र सैनी ने बताया की इस कोहरे से सर्दी बढ़ी है। लेकिन किसानों के खेतों में खड़ी फसल को इस कोहरे से फायदा मिलेगा। आमजन के लिए व पशु व पक्षियों के लिए सर्दी यहां फिर से सितमगर हो रही है। कस्बें में देर रात को शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में सर्दी व शीत लहर चलना शुरू हो गई। वहीं यह कोहरा किसानों के लिए खेतों में खड़ी फसलों के लिए वरदान साबित होगा। मंगलवार सुबह 12 बजे बाद भी कोहरा छाया रहने से आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित रहा। बजार भी देरी से खुलते हुए नजर आए। शहर में लोग जगह-जगह अलाव जलाकर सर्दी से बचते हुए नजर आए।

लक्ष्मीपत सिंघानिया एकेडमी बिसाऊ के छात्र शुभम सोनी का अंडर 14 नेशनल क्रिकेट टीम में चयन

जयपुर टाइम्स

बिसाऊ(निस)। लक्ष्मीपत सिंघानिया एकेडमी, बिसाऊ के छात्र शुभम सोनी का अंडर 14 क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। प्राचार्य दीपक पुरोहित ने बताया कि खेल के क्षेत्र में विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन करते हुए 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित 14 वर्ष आयु वर्ग (छात्र) क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय स्तरीय क्रिकेट टीम में अपना स्थान सुनिश्चित किया है। शुभम का यह चयन खेल प्रतिभा, निरंतर अभ्यास व उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। कोच शोयब कुरैशी ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 19 जनवरी 2026 से 24 जनवरी 2026 तक एसबीएस ग्रुप ऑफ एजुकेशन, सीकर में आयोजित होगी, जिसमें देशभर से विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित खिलाड़ियों को प्रतियोगिता से पूर्व विशेष प्रशिक्षण व चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा। चयनित खिलाड़ियों का चयन परीक्षण 7 व 8 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा, जबकि पूर्व प्रशिक्षण शिविर 9 जनवरी 2026 से 17 जनवरी 2026 तक शहीद सूबेदार श्री रामेश्वर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, ढाका की ढाणी, सीकर में लगाया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों को अनुभवी प्रशिक्षकों की ओर से तकनीकी, शारीरिक व मानसिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। राज्य टीम 18 जनवरी 2026 को प्रतियोगिता स्थल के लिए प्रस्थान करेगी। शुभम सोनी के चयन की सूचना मिलते ही विद्यालय परिसर में हर्षोल्लास का माहौल बन गया। विद्यालय प्राचार्य, खेल प्रशिक्षकों व शिक्षकों ने शुभम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करेगी और अन्य विद्यार्थियों को भी राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने की प्रेरणा देगी।

अपनी सफलता पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शुभम सोनी ने कहा कि यह उपलब्धि उसके लिए गर्व का क्षण है। उसने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों, खेल प्रशिक्षकों एवं विद्यालय को दिया और कहा कि वह राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का पूरा प्रयास करेगा।

कबड्डी प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर बैठक में चर्चा

जयपुर टाइम्स

सादुलपुर(निस)। क्रीड़ा भारती की ओर से आयोजित होने वाले कबड्डी महाकुंभ की तैयारियों को लेकर मंगलवार को बनारसी देवी सीनियर सैकंडरी स्कूल में एक बैठक हुई। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कबड्डी जैसे पारंपरिक खेल को बढ़ावा देना और इसे कॉमनवेल्थ व ओलंपिक खेलों में शामिल करवाने की मुहिम को आगे बढ़ाना है। बैठक की अध्यक्षता क्रीड़ा भारती के जिलाध्यक्ष प्राचार्य राजकुमार ने की। क्रीड़ा भारती के जिलामंत्री जुगल किशोर पूनिया ने बताया कि मातृशक्ति प्रांत प्रमुख गायत्री पूनिया की देखरेख में विभिन्न समितियों का गठन किया गया। इन समितियों को प्रचार-प्रसार, मैदान व्यवस्था और जनसंपर्क जैसी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस दौरान क्रीड़ा भारती तहसील अध्यक्ष नरेंद्र सांगवान गगोर, प्राचार्य हनुमान सिंह श्योराण, मुस्ताक अहमद चौहान, मंजीत सांगवान, जमील हुसैन पठान, कबड्डी रेफरी जंगवीर सिंह, हनुमान पीटीआई, टैगोर अकादमी पब्लिक स्कूल के संचालक सुखवीर सिंह चाहर, कबड्डी कोच महेंद्र डेला, प्रदीप कुमार पहाड़सर, विकास गढ़वाल और मनोज पूनिया सहित कई खेलप्रेमी व पदाधिकारी उपस्थित रहे। मातृशक्ति प्रांत प्रमुख गायत्री पूनिया ने जानकारी दी कि ब्लॉक स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता 1

फरवरी 2026 को टैगोर पब्लिक स्कूल खेल मैदान में सुबह 9 बजे से शुरू होगी। इस प्रतियोगिता में ब्लॉक की प्रत्येक ग्राम पंचायत से टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें महिला और पुरुष वर्ग की अलग-अलग टीमें बनाई जाएंगी। प्रतियोगिता का एक विशेष आकर्षण धोती-कुर्ता पहनकर बुजुर्गों की कबड्डी प्रतियोगिता होगी, जो पारंपरिक खेल संस्कृति को दर्शाएगी। इसमें सेवानिवृत्त सैनिक, अर्धसैनिक बल, नगरपालिका कार्मिक, पुलिस बल, अधिवक्ता, शिक्षक वर्ग, शारीरिक शिक्षक, स्कूली बच्चों के विभिन्न आयु वर्ग और मनरेगा महिलाएं सहित कई वर्गों की टीमें भाग लेंगी। विजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद पूर्वोत्तर ने गोयनका का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व समाजसेवी पवन गोयनका के गुवाहाटी पहुंचने पर लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद, पूर्वोत्तर की ओर से उनका सम्मान किया गया। गोयनका मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा की ओर से आयोजित बच्चों के संस्कार ज्ञानशाला के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर छत्रीबाड़ी स्थित लोहिया लायंस ऑडिटोरियम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद पूर्वोत्तर के अध्यक्ष विशाल भातरा ने बताया कि पवन गोयनका न केवल मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, बल्कि वे दिल्ली प्रवासी होने के साथ-साथ लक्ष्मणगढ़ के निवासी भी हैं। ऐसे में उनका गुवाहाटी में एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम का उद्घाटन करना परिषद के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने यह भी बताया कि मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र व वर्तमान अध्यक्ष अजीत शर्मा भी लक्ष्मणगढ़ के निवासी हैं, जिससे दोनों संस्थाओं के बीच घनिष्ठ संबंध बने हुए हैं। सम्मान समारोह में गोयनका को असमिया परंपरागत गमोचा, शॉल व 'समाज रत्न' मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संरक्षक रामावतार भरतीया, संस्थापक अध्यक्ष अधिवक्ता रमेश गोयनका, पूर्व अध्यक्ष बिनोद जसरासरिया, उपाध्यक्ष संपत मिश्र व संजय काबरा (सीए), मंत्री प्रियंक जालान, कोषाध्यक्ष सीए रोहित काबरा, महिला प्रकोष्ठ से रितु भातरा और कामरूप शाखा अध्यक्ष अजीत शर्मा सहित कई उपस्थित रहे।

तहसीलदार सहित 70 लोगों को वितरित किए घोंसले

गौरेया संरक्षण के लिए नरेंद्र पारीक की अनूठी मुहिम जारी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़.(नि.सं.)। गौरेया संरक्षण को लेकर स्थानीय चरला बास में रहने वाले नरेंद्र पारीक की ओर से अनूठी मुहिम चलाई जा रही है। खास बात तो ये है कि नरेंद्र पारीक की पत्नी गायत्री पारीक भी उनकी इस मुहिम में बराबर की भागीदारी निभा रही हैं। दरअसल पिछले एक साल से नरेंद्र पारीक की ओर से आम लोगों को गौरेया संरक्षण के लिए जागरूक करते हुए निःशुल्क घोंसलों का वितरण किया जा रहा है। अब तक करीब 872 लोगों को घोंसलों का वितरण किया जा चुका है। नरेंद्र पारीक ने बताया कि मेरी पत्नी गायत्री को घर पर ही जब भी खाली वक्त मिलता है, तब वो घोंसलों का निर्माण करती है और मैं लोगों को घोंसले बांटने का काम करता हूं। लोगों से पक्षी संरक्षण की अपील करते हुए घोंसलों को लगाया जाता है, ताकि पक्षियों का

संरक्षण हो सके। मंगलवार को नरेंद्र पारीक ने तहसीलदार गिरधारी लाल पारीक, नायब तहसीलदार असलम खान, एसडीएम के सहायक अभिषेक मीणा, भाजपा के चल रहे धरने पर जाकर लोगों को घोंसलों का वितरण किया गया। नरेंद्र पारीक ने बताया कि मंगलवार को करीब 70 लोगों को घोंसले प्रदान कर उनसे व्यक्तिगत रूप से पक्षियों के संरक्षण की अपील की गई है। वितरण कार्य में निर्मल जोशी, महेश जोशी आदि ने सहयोग किया।

मेघवाल समाज की बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। ग्राम पंचायत मुख्यालय कुहाडू में मंगलवार को सामुदायिक भवन में मेघवाल समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक समाज में हो रहे कुरीतियो का खात्मा करने व बिना दहेज

की शादी करेंगे न दहेज लेंगे व समाज में अनेक रचनात्मक कार्य करने पर विचार विर्मश किया गया। बैठक में ओमप्रकाश भुकल, मखनलाल, धनाराम, अमरचंद, महावीर, गोपी, गुटाराम, सजय सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

धरनास्थल पर पहुंचे भाजपा मण्डल अध्यक्ष, जानी भाजपा पार्षदों की समस्याएं

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ(नि.सं.)। स्थानीय नगरपरिषद कार्यालय के बाहर भाजपा पार्षदों की ओर से सभापति के खिलाफ दिए जा रहे अनिश्चितकालीन धरने पर बुधवार को भाजपा के मंडल अध्यक्ष विनय माटोलिया पहुंचे। विनय माटोलिया ने पार्टी के कार्यकर्ताओं और पार्षदों से बात की और उनकी समस्याओं को सुना और मांगों के बारे में जानकारी ली। पार्षदों ने मंडल अध्यक्ष को बताया कि सभापति ने शहर के करीब साढ़े सात करोड़ रुपए के विकास कार्यों से संबंधित टेंडर फाइलें रोक रखी हैं। जनता के काम रोके गए हैं और नगरपरिषद के एक अधिकारी पर भी भाजपा पार्षदों के साथ भेदभाव के आरोप लगाए हैं। जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं तब तक धरना

जारी रहेगा। इस पर मंडल अध्यक्ष माटोलिया ने भाजपा के पार्षदों से कहा कि कांग्रेस की सदैव भेदभाव की नीति रही है और सभापति ने आपके वार्डो के कामो को रोककर शहर की जनता के विकास कार्यो को रोकने का कार्य किया है। अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि शीर्ष नेतृत्व तक उनकी बात पहुंचाई जाएगी। इस अवसर पर जिला प्रवक्ता मनीष दाधीच, मंडल महामंत्री प्रकाश भार्गव व गौरव इंदौरिया, पार्षद रेवंतमल पंवार, गणेश मंडावरिया, पंकज घासोलिया, पुरुषोत्तम शर्मा, हरिओम खोड़, नरेंद्र प्रजापत, नरेंद्र गुर्जर, प्रेमप्रकाश स्वामी, रवींद्र पांडे, बसंत दाधीच, अमित मौसूण, प्रदेश वाल्मीकि, पन्नालाल सोनी, प्रियांशु लड़ा, बलराम सोनी, राजकुमार तंवर सहित कई भाजपा पार्षद और कार्यकर्ता मौजूद थे। दूसरी ओर भाजपा नेता नरेंद्र गुर्जर ने कहा है कि अगर मांगे नहीं मानी जाती हैं, तो बुधवार से मैं भूख हड़ताल पर बैठूंगा। वहीं कांग्रेस की ओर से पार्षद इकबाल खान कायमखानी ने धरना दे रहे लोगों पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि धरना देना और सभापति पर आरोप लगाना इनकी पुरानी आदत है। कायमखानी ने कहा कि भाजपा के नेताओं में आपस की फूट है, क्योंकि न तो पूरे पार्षद धरने पर पहुंच रहे हैं और न ही इनके नेता प्रतिपक्ष और उप नेता। इससे साफ जाहिर होता है कि भाजपा के पार्षद आपसी फूट के कारण और आने वाले चुनावों में क्रेडिट लेने की होड़ में धरना दे रहे हैं। जबकि हकीकत ये है कि जो भी पार्षद बैठे हैं, इन सबके वार्डों में पिछले 6 महीनों में ही काम हुए हैं। कायमखानी ने कहा कि भाजपा के पार्षद एक दूसरे के कामों को रोकने में रूचि रखते हैं और अब एक दूसरे को नीचा दिखाने की होड़ के तहत धरना दे रहे हैं। जबकि सभापति ने सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य करवाए हैं। उन्होंने बताया कि अगर कोई टेंडर अटके हुए हैं, तो प्रदेश में भाजपा की सरकार है, टेंडर रोकने वाले अधिकारियों को रवाना क्यों नहीं करते, टेंडर करने का काम अधिकारियों का है। जनप्रतिनिधियों का इसमें कोई हस्क्षेप नहीं है। उन्होंने कहा कि लोहिया स्टेडियम में भर्ती का कार्य चल रहा है, इससे पूरे शहर के लोगों का फायदा होगा। क्योंकि सभापति ने कभी कांग्रेस भाजपा के नाम पर भेदभाव नहीं किया।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।